RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 83 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 5 जनवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

सीएम बघेल से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन ने विभिन्न विषयों के साथ छत्तीसगढ़ में क्रिकेट को बढ़ावा देने के प्रयासों पर चर्चा की। राजधानी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 21 जनवरी को भारत और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम के बीच खेले जाने वाले वनडे मैच की चर्चा के दौरान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने छत्तीसगढ़ को अंतर्राष्ट्रीय वन डे मैच की मेजबानी मिलने पर मुख्यमंत्री बघेल को बधाई दी। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने मुख्यमंत्री बघेल को दादा बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मोहम्मद अजहरुद्दीन रायपुर के प्रवास पर आए हैं।

धर्मांतरण विवाद के बाद नारायणपुर हिंसा के विरोध में बंस्तर बंद

नारायणपुर। दो दिन पहले नारायणपुर में हुई हिंसा के विरोध में गुरुवार को बस्तर बंद है। यहां के बाजारों में दुकानें बंद कर लोगों ने धर्मांतरण के खिलाफ आवाज उठाई है। गुरुवार सुबह से की नारायणपुर सहित आसपास के जिलों में बाजार बंद दिखे। वहीं पुलिस व प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने मुस्तैद है। बता दें दो दिन पहले नारायणपुर सर्व आदिवासी समाज के लोग धर्मांतरण के विरोध में जमा हुए थे। वे कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान यहां भीड़ उग्र हो गई और लाठी व डंडों के साथ पत्थर बरसने शुरू हो गए। इस दौरान एक पत्थर जिले के एसपी को भी पड़ा जिससे वे घायल हो गए। इनके सिर में चोट आई थी और अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि घटना के बाद आदिवासी समाज ने पथराव करने वालों को बाहर का बताया। इसी मामले में गुरुवार को नगर बंद का ऐलान किया गया। इसके कारण नारायणपुर सहित बस्तर संभाग के अन्य जिलों में बंद का माहौल रहा।

शेयर बाजार में हरियाली लौटी, सेंसेक्स 100 अंक चढ़ा, निफ्टी 18100 के पार

बिजनेस डेस्क/नई दिल्ली(एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में वायदा कारोबार के एक्सपायरी के दिन बाजार हरे निशान पर खुला है। गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 190 अंकों की बढ़त के साथ 60,847 अंकों पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 59 अंक मजबूत होकर 18102 अंकों पर खुला। बाजार में शुरुआती कारोबारी सेशन में हिंदुस्तान यूनिलीवर, सनफार्मा, नेस्ले इंडिया और आईटीसी जैसी कंपनियों के शेयर में मजबूती दिख रही है। उधर, वैश्विक बाजार की बात करें तो अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से जारी मिनट्स के मुताबिक महंगाई जब तक बनी रहेगी, ब्याज दरों में बढ़ोतरी जारी रहेगी। अमेरिकी फेड ने भविष्य में भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी के संकेत दिए हैं। हालांकि फेड के कड़े रुख के बावजूद अमेरिकी बाजारों में हरियाली दिखी।

दो घंटे में ही निगम ने मानी मांग

विरोध में आए मार्केट के व्यापारी व समाज के लोग

शहीद विश्राम मांझी के नाम पर होगा मछली मार्केट का नाम!

श्रीकंचनपथ

भिलाई। पावर हाउस मछली मार्केट का नाम बीर शहीद विश्राम मांझी के नाम पर होगा। गुरुवार को मछली मार्केट का नाम शहीद के नाम पर करने के लिए के शहीद की मां के साथ समाज के लोग व मार्केट के व्यापारियों ने एक दिवसीय अनशन शुरू किया। अनशन शुरू होने के दो घंटे के भीतर नगर निगम ने इनकी मांग मान ली है। बताया जा रहा है कि निगम प्रशासन की ओर से पूर्व पार्षद के नाम पर मार्केट का नामकरण करने के निर्णय को होल्ड पर रखने का निर्णय लिया गया है। अनशन पर बैठे लोगों ने कहा कि जिम्मेदार व्यक्ति आकर बताए तभी यहां से हटेंगे।

बता दें पिछले दिनों नगर निगम भिलाई की सामान्य सभा में पावर हाउस मछली मार्केट का नाम दिवंगत पार्षद मो गफ्फार के नाम पर रखने का प्रस्ताव आया था। इस प्रस्ताव का विपक्ष ने विरोध किया था। पार्षद भोजराज सिन्हा ने मार्केट का नाम शहीद विश्राम मांझी के नाम पर रखे जाने की बात कही है और इसे लेकर तथ्य में प्रस्तुत किए। दरअसल मछली मार्केट का नाम शहीद के नाम पर किए जाने की मांग समाज के लोगों द्वारा लंबे समय से किया जा रहा है इसे लेकर निगम से लेकर जिला प्रशासन तक आवेदन किया गया। निगम की समान्य सभा में महापौर नीरज पाल ने बहुमत के आधार पर आपत्ति को दरकिनार करते हुए प्रस्ताव को पास कर दिया।

एमआईसी में रखेंगे प्रस्ताव

"पावर हाउस मछली मार्केट का नाम पूर्व पार्षद मो गफ्फार के नाम पर करने का निर्णय सामान्य सभा का है और यह निगम की सबसे बड़ी बॉडी है। फिलहाल इस निर्णय को होल्ड पर रखा जा रहा है। जब तक विवाद नहीं सुलझता तब तक सामान्य सभा के निर्णय को लागू नहीं किया जाएगा। वहीं शहीद विश्राम मांझी के नाम पर मार्केट का नाम रखने का प्रस्ताव एमआईसी में रखा जाएगा। आगे इस पर निर्णय एमआईसी को करना है।

रोहित व्यास, आयुक्त
नगर पालिक निगम भिलाई

विरोध में आए मार्केट के व्यापारी व समाज के लोग

मछली मार्केट का नाम मो गफ्फार के नाम पर रखे जाने को लेकर कई व्यापारियों को आपत्ति है। वहीं समाज के लोग भी निगम के इस निर्णय के खिलाफसामने आ गए हैं। गुरुवार सुबह 11 बजे मछली मार्केट में शहीद विश्राम मांझी मां व समाज के अन्य लोगों के साथ अनशन पर बैठ गई। इस दौरान शहीद की मां के आंखों में आंशू छलकने लगे। शहीद के सम्मान में इस अनशन में सैकड़ों लोगों ने भागीदारी निभाई। भाजपा के पार्षद से लेकर बाजार के व्यापारी भी शहीद विश्राम मांझी के नाम पर मार्केट का नाम करने का समर्थन करते दिखे।

दो दिन पहले कलेक्टर को सौंपा था ज्ञापन

बता दें दो दिन पहले निषाद समाज के लोग व मछली मार्केट के व्यापारियों ने कलेक्टर व निगम महापौर को ज्ञापन सौंपा था। समाज के लोगों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया था कि बीते 16 वर्षों से उनकी मांग है कि मछली मार्केट का नाम शहीद विश्राम मांझी के नाम पर रखा जाए। निषाद, मांझी, केंवट व मल्लाह जाति के लोग मछली के व्यापार से जुड़े होते हैं और शहीद विश्राम मांझी उनके समाज के हैं। लोगों ने यह भी बताया था कि मो गफ्फार के नाम पर मछली मार्केट का नामकरण किए जाने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि उनकी कोई उपलब्धि ही नहीं है। समाज के लोगों ने ज्ञापन देकर पांच जनवरी को अनशन पर बैठने की बात भी कही थी।

पूर्व सैनिकों ने भी दिया समर्थन

शहीद विश्राम मांझी के नाम पर मछली मार्केट का नामकरण कराने शुरू हुए अनशन का रिटायर्ड कर्मचारियों ने भी समथर्न किया है। अनशन स्थल रिटायर्ड सैनिकों ने पहुंचकर शहीद को श्रद्धांजलि दी और इस मांग का जायज ठहराया। रिटायर्ड सैनिकों ने कहा कि शहीद को सम्मान मिलना ही चाहिए और खासकर तब जब समाज के लोग इसकी मांग कर रहे हों। रिटायर्ड सैनिकों के साथ ही बड़ी संख्या में लोग भी इस अनशन का हिस्सा बने। यही वजह रही कि निगम को इनकी मांग इतनी जल्द माननी पड़ी।

बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या, दोषी को फांसी की सजा, 28 दिन में आया फैसला

बांदा (एजेंसी)। बांदा जिले में पांच साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या के दोषी रिश्ते के बाबा को अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। यह फैसला सात तारीखों में सुनवाई के बाद महज 28 दिन में आया है। सजा सुनाए जाने के साथ विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) अनु सक्सेना ने टिप्पणी की कि ऐसे अपराधों में दुर्दांत अपराधी को इससे कम सजा देना पीड़िता के साथ अन्याय होगा।

दोषी को तब तक फांसी पर लटकाया जाए जब तक उसकी मृत्यु न हो जाए। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) कमल सिंह गौतम ने बताया कि मरका थानाक्षेत्र के एक गांव की बच्ची के बाबा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि 18 अप्रैल 2021 को रामबहादुर उनकी पौत्री को बिस्कुट खिलाने के बहाने घर ले गया और दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या कर दी।

आंगन में खपरैल और कबाड़ के बीच शव छिपा दिया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी रामबहादुर प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया था। सिर्फ 42 दिन में जांच पूरी कर पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया। छह गवाह पेश किए गए। बुधवार को विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) अनु सक्सेना ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रामबहादुर को दोषी पाया और उसे फांसी की सजा सुना दी।

साथ ही एक लाख रुपये जुर्माना किया। धारा 377 (दुष्कर्म) में आजीवन कारावास व 50 हजार रुपये जुर्माना और धारा 201 (शव छिपाने) में 10 वर्ष की जेल व 20 हजार रुपये जुर्माने की भी सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर अतिरिक्त जेल भुगतनी होगी। सभी सजाएं साथ चलेंगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समायोजित होगी।

कोरोना से निपटने के चीन के रवैये से चिंतित हुआ अमेरिका, राष्ट्रपति ने ड्रैगन को दे डाली नसीहत

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन के कोरोना से निपटने के रवैये से डब्ल्यूएचओ समेत दुनिया के कई देश चिंतित दिख रहे हैं। चीन जिस तरह से कोरोना के आंकड़े छिपा रहा है उससे पड़ोसी देश तो सतर्क हो ही गए हैं उससे भी अधिक सतर्क अमेरिका दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बयान जारी कर ड्रैगन को नसीहत तक दे डाली है। बाइडन ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हां मैं चीन के कोरोना से निपटने के इस रवैये से चिंतित हूं। चीन मामले की गंभीरता को समझ नहीं रहा है। इसलिए भारत, अमेरिका समेत कई देशों ने चीन से आने वाले यात्रियों के लिए जांच अनिवार्य कर दिया है। यानी जो भी यात्री चीन से आएंगे उन्हें 72 घंटे भीतर के निगेटिव रिपार्ट के साथ-साथ RTPCR टेस्ट से भी गुजरना होगा।

बाइडन ने दी ड्रैगन को नसीहत

राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि चीन फिलहाल कोरोना महामारी के लिहाज से बेहद संवेदनशील देश है। चीन को पारदर्शिता बरतनी चाहिए। चीन अपने फायदे के लिए महामारी को नजरअंदाज कर रहा है। बाइडन ने कहा कि चीन

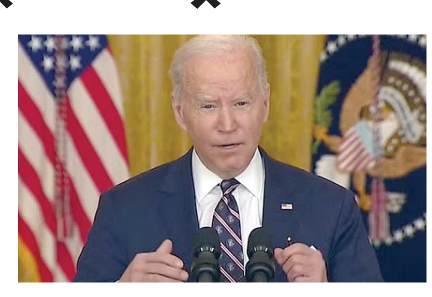

को टेस्टिंग बढ़ानी चाहिए ताकि सही आंकड़े सामने आ सके। चीन इसे नियंत्रण में करे और विवेकपूर्ण कदम उठाए ताकि हम किसी भी संभावित वेरिएंट के प्रसार को रोकने के लिए वह सब कुछ करें जो हम कर सकते हैं।

दुनिया के अन्य क्षेत्रों से वेरिएंट अमेरिका में तेजी से पहुंचते हैं: नेड प्राइस

वहीं विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने संवाददाताओं से कहा कि कोविड कहीं भी फैल रहा है, लेकिन विशेष रूप से चीन जैसे घनी आबादी वाले देश में, निश्चित रूप से वेरिएंट के उभरने की पूरी आशंका है। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि दुनिया के अन्य क्षेत्रों से वेरिएंट उभर कर सामने आए हैं जो अंतत: संयुक्त राज्य में पहुंच गए हैं।

आतंकी समूह के खिलाफ कार्रवाई पर अमेरिका और पाकिस्तान ने दिखाई साझा रुचि

बाइडेन प्रशासन ने बुधवार को कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान का यह सुनिश्चित करने में साझा मत है कि तालिबान आतंकवादी समूहों के खिलाफकार्रवाई करे और उन्हें अपने क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करने दे। आतंकवाद एक अभिशाप बना हुआ है जिसने इतने सारे पाकिस्तानी, अफगान और अन्य निर्दोष लोगों की जान ले ली है। संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान का वास्तव में यह सुनिश्चित करने में साझा हित है कि तालिबान प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरे और आईएसआईएस-के जैसे आतंकवादी समूह विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अपने दैनिक समाचार सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, अल-कायदा की तरह टीटीपी अब क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने में सक्षम नहीं है।

बस्तर में फूट की बिसात, दो फाड़ हुआ समाज

श्रीकंचनपथ

एक समय था जब आदिवासी कथित सभ्य समाज का प्रत्येक स्तर पर विरोध करते थे. कुछ आदिवासी समूह ऐसे भी थे जो पूरे कपड़े पहने हुए लोगों पर तीर-धनुष से आक्रमण कर देते थे. इसके चलते अबूझमाड़ का क्षेत्र काफी समय तक संरक्षित ही रहा. पर यह सब बीते कल की बातें है. आज आदिवासी समाज भी तरक्की करना चाहता है. वह चाहता है कि उनके बच्चे भी शिक्षित होकर, सभ्य समाज के बीच पहुंचे और अच्छी नौकरियां करे. बीमार पड़ने पर उनका इलाज भी अस्पतालों में पढ़े लिखे डाक्टर करें, बैगा गुनिया नहीं. उनका भी जीवन स्तर उठे. छत्तीसगढ़ का आदिवासी समाज शिक्षा और नौकरी में आरक्षण को लेकर काफी समय से संघर्ष कर रहा है. पर इसी आदिवासी समाज का एक धड़ा अब विकास और परिवर्तन के खिलाफखड़ा दिखाई दे रहा है. उन्हें परिवर्तन नहीं चाहिए. वे अपनी परम्पराओं के साथ अपने गांव में जीना चाहते हैं. उन्हें तकलीफहै कि अब देव उठाने के लिए लोगों की भीड़ अपने आप नहीं जुटती बल्कि लोगों को बुलाना पड़ता है. इन लोगों का मानना है कि गांव गांव तक फैल चुके चर्चों के कारण इनकी संस्कृति खतरे में है. इन लोगों का मानना है कि ईसाई लोगों की कब्रों के कारण उनके देवताओं की शक्तियां प्रभावित रही हैं. इसलिए अब वे ईसाइयों की कब्रों को उखाड़ रहे हैं, बच्चों को ईसाई बच्चों के साथ खेलने के लिए मना कर दिया गया है. गांव-गांव में पैठ बना चुके चर्चों को तोड़ा जा रहा है. ईसाई मत को मानने वाले गांव से भागकर शरणार्थी का जीवन जी रहे हैं. इससे पहले आदिवासियों के एक तबके ने स्वयं को हिन्दू मानने से इंकार कर दिया था. उनके लिए आदिवासी होना ही उनकी एकमात्र पहचान थी. ईसाइयों की खिलाफत इसकी अगली कड़ी हो सकती है. पर क्या यह वाकई संस्कृति को बचाने की लड़ाई है? लगता तो नहीं है. आदिवासी समाज आरक्षण मांग इसीलिए रहा है कि वह जंगलों से निकलकर देश की मुख्यधारा में शामिल हो सके. उसके बच्चे भी उच्च शिक्षित होकर उच्च पदों पर आसीन हो सकें. जाहिर है, ऐसा करने पर गांवों में युवाओं की संख्या कम हो जाएगी. शिक्षित समाज बैगा गुनिया के पास कम जाएगा. पर्व त्यौहारों को वह उतना वक्त नहीं दे पाएगा जितना कि उसके पूर्वज दे पाते थे. समाज शिक्षित होगा तो वह शोषण मुक्त भी होगा. उनका रहन सहन बदलेगा, जीवन की गुणवत्ता बढ़ेगी और जीवन स्तर भी ऊपर उठेगा. बैगा, गुनिया, चर्च, फादर सब अप्रासंगिक हो जाएंगे. पर मौजूदा आंदोलन इस सबके खिलाफदिखाई देता है. यह 'फूट डालो राज करो' की पुरानी शराब है जिसे नई बोतल में भरकर पेश किया जा रहा है. जाहिर है इसका उद्देश्य राजनीतिक है. छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज एक बड़ी राजनीतिक शक्ति है. पर डर है कि कहीं नफरत की यह आंधी दावानल बनकर सबकुछ भस्म न कर दे.

संपादकीय

दुर्व्यवहार पर हो प्रहार

धन्य है वह देश, जहां लोग एक-दूसरे को देख मुस्करा देते हैं। भारत में भी मुस्कराने वाले बहुत हैं, पर अनेक लोग ऐसे भी हैं, जो मुस्कराना तो दूर, दुर्व्यवहार की ऐसी-ऐसी कहानियां लिख देते हैं कि दुनिया थू-थू करने लगती है। बुधवार को एक ऐसा ही बेहद शर्मनाक व अक्षम्य मामला प्रकाश में आया है, जिसमें नशे की हालत में एक यात्री ने बुजुर्ग महिला यात्री पर हवाई उड़ान के दौरान ही पेशाब कर दिया। एअर इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने इस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है, लेकिन सच यह है कि जिस तेजी से इस मामले में कदम उठने चाहिए थे, नहीं उठे। मामला नवंबर का है, न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही उड़ान में ऐसा होना इसे और भी गंभीर बना देता है। ऐसी बदतमीजी या दुर्व्यवहार के लिए किस समाज में जगह है? एयरलाइन अपनी ओर से अधिकतम कदम यही उठा सकता था, उसने यात्री को 30 दिन के लिए यात्रा से प्रतिबंधित कर दिया है। आगे की कार्रवाई डीजीसीए को करनी है। सोचना चाहिए, क्या ऐसे बेलिहाज यात्री के लिए इतनी सजा पर्याप्त है? अगर सजा पर्याप्त नहीं मिलेगी, तो भारतीय उड्डयन के कर्णधार देश-दुनिया के सामने कैसी मिसाल पेश करेंगे? पुलिस में मामला दर्ज है, लेकिन उसने अभी तक क्या किया है? ऐसे दुर्व्यवहार के प्रति नरमी हमें किधर ले जा रही है? राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वत संज्ञान लेते हुए मामले में की गई कार्रवाई पर दिल्ली पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। पुलिस ने कार्रवाई की जो संस्कृति पैदा की है, उसके चलते अनुचित व्यवहार पर किसी को टोकने वालों की संख्या समाज में घटती जा रही है।

> “ बदतमीजों को पहले आम लोग या पुलिस ही सबक सिखा देती थी, पर अब लोगों को लगने लगा है कि किसी को अपराध से रोकना घातक भी सिद्ध हो सकता है। ऐसे मामलों में समाज तमाशबीन बन जाता है और पुलिस समझौतापरस्ती में लग जाती है। नतीजा सामने है, हमने देश-परदेश घूमने वाले लोगों की पंचसितारा बस्तियों में भी दुर्व्यवहारों को बर्दाश्त करते रहने का मानस बना लिया है।

बदतमीजों को पहले आम लोग या पुलिस ही सबक सिखा देती थी, पर अब लोगों को लगने लगा है कि किसी को अपराध से रोकना घातक भी सिद्ध हो सकता है। ऐसे मामलों में समाज तमाशबीन बन जाता है और पुलिस समझौतापरस्ती में लग जाती है। नतीजा सामने है, हमने देश-परदेश घूमने वाले लोगों की पंचसितारा बस्तियों में भी दुर्व्यवहारों को बर्दाश्त करते रहने का मानस बना लिया है। अगर हम समाज में बदतमीजी करने वालों से भी हार मानने लगे हैं, तो हम बड़े अपराधियों से भला कैसे निपटेंगे? हवाई यात्रा में नशाखोरी का मकसद क्या है? नशा करके कोई बहक जाए, तो चालक दल के पास रोकथाम के उपाय कहां हैं? अब चालक दल की चूक का पता लगाने के लिए आंतरिक समिति का गठन किया गया है, लेकिन देखना होगा कि कार्रवाई की दिखावटी खानापूर्ति से मामला कहीं रफा-दफा न हो जाए। ज्यादा समय नहीं बीता है, 27 दिसंबर को थाई स्माइल एयरवेज के एक विमान में उड़ान से पहले मारपीट हो गई। एक यात्री ने अपनी सीट को उड़ान से पहले सीधा करने से मना कर दिया, तो दूसरे यात्रियों ने उसकी पिटाई कर दी। यहां भी बदतमीजी की मिसाल खड़ी हुई। अपने देश में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो गलत होने के बावजूद पूरी बेशर्मी से अड़ जाते हैं। सुरक्षा निर्देशों की अनदेखी करके उस दोषी यात्री ने उत्तर दिया था, 'मैं अक्सर उड़ान पर रहता हूं, और मुझे पता है कि मुझे क्या करना है'। जब उसे बताया गया कि उसकी शिकायत पायलट से की जाएगी, तब यात्री ने कहा, 'ठीक है, उसे बता दो। मैं डरा हुआ नहीं हूं'। यह जो बात करने का लापरवाही भरा तरीका है, उसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। निस्संदेह, सुधार के उपाय सरकार और समाज, दोनों ही स्तर पर होने चाहिए।

साधारण के प्रति समर्पण

समर्पण द्वारा ही तुम देख सकोगे कि सामान्य जीवन भी कितना अधिक सौंदर्य और अनुग्रह से भरा है। वृक्ष, पक्षी, आकाश, पृथ्वी, सब साधारण हैं। साधारण बनना ही धार्मिक होना है। एक बार मैं विनोबा जी के आश्रम में रुका और सुबह छह बजे सोकर उठा। विनोबा जी तीन बजे ही उठ जाते थे। उनके शिष्य मेरे पास आए और कहा, 'आप यह क्या कर रहे हैं? आपको सुबह तीन बजे ही उठना चाहिए, अन्यथा आश्रम के लोग आश्चर्य करेंगे कि आप किस तरह के संत हैं? हम तो संतों को सुबह तीन बजे उठता हुआ देखने के अभ्यस्त हैं।' मैंने उनसे कहा, 'यह सोचो ही मत कि मैं संत हूं। आप मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका कोई मूल्य नहीं। मैं आपका संत बनने के लिए अपनी नींद में बाधा डालने नहीं जा रहा।'

बहुत सारे सलाहकार हैं, जो कहते हैं कि आपको यह नहीं करना चाहिए, आपको वैसा नहीं होना चाहिए, आपको यह नहीं कहना चाहिए, आपको इस पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। और वे सभी सोचते हैं कि वे मुझसे प्रेम करते हैं, और सभी यह सोचते हैं कि वे मेरे अनुसरणकर्ता और शिष्य हैं। वे केवल अपने सद्गुरु की जन सामान्य में अच्छी छवि बनाए रखने के लिए ही उसकी सहायता कर रहे हैं।

यह प्रघोष मुझे ऊंची गद्दी पर बिठाना चाहता है, जिससे वे शक्तिशाली बन सकें। तब यदि मैं उस ऊंची गद्दी पर विराजमान रहना चाहता हूं, तो मुझे प्रघोष की ओर देखते रहना होगा। कहां है प्रघोष? अन्यथा मैं इस गद्दी पर न बना रहूंगा। कौन बिठाएगा मुझे उस ऊंचे आसन पर? मुझसे असाधारण बनने की अपेक्षा करना, केवल तुम्हारा अहंकार है। तुम एक असाधारण व्यक्ति के शिष्य बनना चाहते हो, तो तुम्हारा अहंकार बहुत बड़े होने और तृप्त होने का अनुभव करेगा। मैं एक साधारण व्यक्ति हूं। ऐसा नहीं है कि मैं बहाने बना रहा अथवा साधारण बनने का कोई खेल खेल रहा हूं। मैं साधारण हूं और क्योंकि मैं साधारण हूं, तुम्हारे लिए वहां समर्पण करने की संभावना है। मैं ऐसी कोई भी चीज करने नहीं जा रहा, जो ऐसी धारणा दे सके कि मैं असाधारण हूं। केवल तभी तुम्हारा समर्पण सच्चा और प्रामाणिक होगा।

यदि तुम एक साधारण व्यक्ति को समर्पण करते हो, तो अहंकार विसर्जित हो जाएगा। सूफी कोई चमत्कार नहीं करते। वे हमेशा से बहुत साधारण लोग हैं। सूफी धर्म की आधारभूत चीजों में एक यह भी है, क्योंकि सद्गुरु का अस्तित्व तुम्हें समर्पण करने में सहायता के लिए है, और वह केवल तभी सहायता कर सकता है, जब वह 'कोई नहीं' होता। यदि वह 'कोई' है, तो उससे जुड़ने पर तुम्हें भी अपने 'कुछ' होने का अनुभव होगा। 'कोई नहीं' से जुड़ने को ही समर्पण कहा जाता है। समर्पण द्वारा ही तुम देख-समझ सकोगे कि सामान्य जीवन भी कितना अधिक सौंदर्य व अनुग्रह से भरा है। वृक्ष, पक्षी, आकाश, पृथ्वी, सब साधारण हैं। साधारण बनना ही धार्मिक होना है।

ओशो

चांगपिन में कम्यूनिस्ट हताहत

प्राप्त समाचारों के आधार पर पता चला है कि मंचूरिया के सबसे बड़े नगर मुकदन पर कम्यूनिस्ट सेना जो हमले कर रही है, उनके विरुद्ध चीनी सरकार के भारी बमवर्षक वायुयान दिन-रात युद्ध में संलग्न हैं। आज मुकदन के उत्तर-पश्चिम में स्थित ओहेलिओ नदी के तट के सहारे 100,000 कम्यूनिस्ट सैनिक हमला करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। नगर के पश्चिम की ओर घमासान युद्ध छिड़ जाने पर दोनों ओर से सैनिक सहायता भेजी गई है। उत्तरी चीन में सरकारी सेना ने महान दीवार के बाहर पीपिंग से 50 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित येनकिंग पर एक बड़ी कम्यूनिस्ट सेना को पूरी तरह से घेर लिया। इस क्षेत्र में सरकारी सेना "सफाई की कार्रवाई" में लगी है। पीपिंग और येनकिंग के बीच चांगपिन के रेलवे नगर पर जिन 9000 कम्यूनिस्ट सैनिकों ने हमला किया, उन्हें भी घेर लिया गया, और कम्यूनिस्टों के 1,500 से अधिक सैनिक मारे गये। इन मृतकों में कम्यूनिस्ट डिप्टी कमान्डर चेंग हवांग भी हैं। 3000 से अधिक कम्यूनिस्ट घायल हुए हैं।

> “ सभ्य समाज में हर घटना का वीडियो बनाना-दिखाना सही नहीं है। हमें ऐसे निजता के उल्लंघनों को रोकना चाहिए, जहां मुसीबत में पड़ी किसी हस्ती की फोटो-वीडियो को वायरल कर दिया जाए।

निजता में सेंध मारने का बढ़ता चलन

विवेक कौल

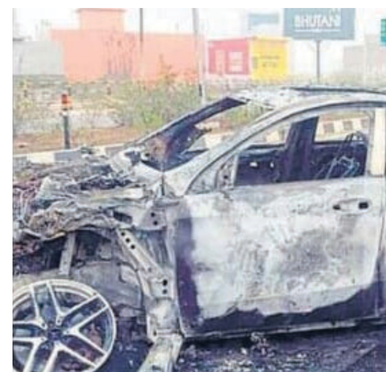

दो दुखद घटनाएं हैं, एक साल 2022 की शुरुआत में हुई थी और दूसरी अंत में। ये दोनों घटनाएं ताका-झांकी और सभी के लिए खुली प्रकाशन व्यवस्था के उदय को रेखांकित करती है। 30 दिसंबर को भारत के स्टार विकेटकीपर, बल्लेबाज ऋषभ पंत एक कार दुर्घटना में बाल-बाल बचे। तड़के हुई दुर्घटना के बाद घायल पंत के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाने लगे। यहां तक कि उनके एक्स-रे की एक तस्वीर भी वायरल हो गई। जल्दी ही, चोटिल पंत की तस्वीरों को टीवी चैनल भी प्रसारित करने लगे।

ध्यान होगा, भारत की सबसे प्रसिद्ध पार्श्व गायिका लता मंगेशकर का पिछले साल फरवरी की शुरुआत में निधन हुआ था। उनकी मृत्यु से पहले अस्पताल में उनके संघर्षपूर्ण पलों के फोटो व वीडियो वायरल हुए थे। बेशक हम इंसान हमेशा से ही तमाशबीन रहे हैं, लेकिन पहले हम दूसरों की जिंदगी के बारे में बैठकर सिर्फ चर्चा करते थे। अब सिर्फ चर्चा नहीं करते, अब हमें जानने की अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए फोटो और वीडियो की भी दरकार है।

ऐसे में, ऋषभ पंत और लता मंगेशकर के उदाहरण हमारे सामने कई महत्वपूर्ण सवाल उठाते हैं। अव्वल तो पंत और मंगेशकर साफ तौर पर यह तय करने की हालत में नहीं थे कि क्या उनके फोटो या वीडियो को सबके सामने रखा जाए। उनकी सहमति की कोई गुंजाइश भी नहीं थी। दूसरी बात, फोटो व वीडियो सबसे पहले अलग-अलग सोशल मीडिया मंचों पर वायरल हुए, जिससे मुख्यधारा के मीडिया (वेबसाइटों, टीवी चैनलों और समाचार पत्रों) पर दबाव बढ़ा। कुछ ऐसा ही जनवरी 2020 में देखने में आया था, जब दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी की दुर्घटना हुई थी। किसी दुर्घटना की स्थिति में वाहन की तस्वीर प्रकाशित या पोस्ट करने में कोई हर्ज नहीं है, पर एक घायल अवस्था वाली किसी हस्ती के फोटो-वीडियो प्रकाशित करना अनुचित है।

तीसरी बात, संकट में पड़ी मशहूर हस्तियों के फोटो-वीडियो प्रकाशित-प्रसारित करने का यह चलन उस आबादी के व्यवहार का महज एक छोटा हिस्सा है, जिसके पास कैमरों से लैस स्मार्टफोन हैं। ये लोग अपने आस-पास की हर चीज का दस्तावेजीकरण करने की कोशिश करने लगे हैं, एनी अर्नोक्स ने अपनी पुस्तक द ईयर्स में इस हालत का सार पेश किया है, जो सबसे ज्यादा मायने रखता है वह है तस्वीरें लेना, किसी के अस्तित्व को दर्ज करना और उसकी नकल उतार लेना, ... सब कुछ दर्ज किया गया, खिले हुए चेरी के पेड़..., जन्म के एक मिनट बाद शिशु, जगहें, घटनाएं, दृश्य, वस्तु, जीवन के पलों का पूर्ण संरक्षण। सच है, डिजिटल तकनीक से हमने असलियत को सुखा दिया है या सोख लिया है।

यह लगभग वैसा ही है, मानो हम किसी चीज का प्रत्यक्ष अनुभव करने के बजाय उसे हमेशा के लिए रिकॉर्ड कर लेना चाहते हैं और दुनिया को दिखाना चाहते हैं। सस्ता इंटरनेट, सस्ते स्मार्टफोन और मुफ्त सोशल मीडिया, जहां किसी को कोई सामग्री सार्वजनिक करने के लिए कोई शुल्क नहीं चुकाना पड़ता है। इससे फोटो, वीडियो साझा करने के चलन को बढ़ावा मिला है।

लोगों की इस बढ़ती आदत का एक उदाहरण है, जब विराट कोहली टी20 क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तानी गेंदबाज हारिस रऊफ की गेंद पर लगातार दो छक्के मार रहे थे, तब स्टेडियम में भी ऐसे कई लोग थे, जो कोहली को अपनी आंखों से सीधे देखने और याद रखने के बजाय छक्के मारते हुए मोबाइल से रिकॉर्ड करने में व्यस्त थे। साथ ही, यह भी याद रखने योग्य है कि मैच का सीधा प्रसारण किया जा रहा था। किसी के भी मोबाइल फोन की रिकॉर्डिंग संभवत प्रसारित की गई टीवी रिकॉर्डिंग से बेहतर नहीं हो सकती, तब भी लोग अपने मोबाइल से वीडियो लेने में व्यस्त रहते हैं। वीडियो लेने और पोस्ट करने का चलन इतना बढ़ गया है कि कई मध्यवर्गीय शादियां सोशल मीडिया इवेंट्स में तब्दील होने लगी हैं, यहां तक कि शादी करने वाले जोड़ों के नाम वाला हैशटैग भी बनाया जाने लगा है, ताकि वायरल किया जा सके। चौथा, इस प्रवृत्ति ने संपादक के दबाव का भी अंत कर दिया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक किसी भी सामग्री को प्रकाशित करने के लिए एक द्वारपाल (संपादक) के माध्यम से जाना पड़ता था, जो यह तय करता था कि प्रस्तावित सामग्री प्रकाशित होने योग्य है या नहीं। साथ ही, सहमति, सामूहिक नैतिकता इत्यादि का भी ध्यान रखा जाता था। हमेशा न सही, लेकिन ज्यादातर बार ऐसा होता है। अब फोटो-वीडियो बनाना-जारी करना व्यावहारिक रूप से सभी के लिए निशुल्क और सुलभ हो गया है। पांचवां, सोशल मीडिया पर पहले से उपलब्ध सामग्री मुख्यधारा के मीडिया को मुफ्त कंटेंट प्रदान करने लगी है। बेशक, सोशल मीडिया ऋषभ पंत से लेकर मालदीव में छुट्टियां मनाते नव-विवाहित जोड़े तक की सामग्री मुख्यधारा मीडिया को मुहैया कराने लगा है। इसके लिए मुख्यधारा मीडिया को कोई शुल्क भी नहीं चुकाना पड़ता है। जब एक जोड़ा हनीमून की तस्वीरें हर किसी के उपभोग के लिए प्रसारित या पोस्ट करता है, तब यह उनकी पसंद है, लेकिन सेलिब्रिटी दुर्घटनाओं की तस्वीरें वायरल करना या मशहूर हस्तियों का अस्पताल में इलाज सहमति के विचार के खिलाफ जाता है। यह एक व्यक्ति की निजता का उल्लंघन करता है। छठा, ऐसी प्रवृत्ति को बाजार तो प्रोत्साहित ही करता है, भले ही सही किया जा रहा हो या गलत। अब लगता है, सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया लोगों का ध्यान खींचने के लिए अपनी हदें लांघता जाएगा। सातवां, मैं कोई प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन सोशल मीडिया कंपनियों के पास ऐसी सामग्री को फिल्टर करने का कोई तरीका होना चाहिए। ऐसा उपकरण होना चाहिए, जो ऐसी सामग्री को साझा होने से रोके। यदि संभव हो, तो पंत और मंगेशकर जैसे मामलों में ऐसे उपकरण का उपयोग किया जा सकता है। हां, अच्छी तरह से बनाए गए वीडियो भी बुरे वीडियो को चलन से बाहर करने में मददगार हो सकते हैं। आठवां, अंत में यह अच्छी तरह याद रखने योग्य है, जो मैगी नेल्सन द अर्गोनॉट्समें इशारा करती हैं, उन्मत्त संस्कृति में किसी को कैसे समझाया जाए कि गंदगी हमेशा गलत ही होती है? जिस चीज को छांटने की जरूरत है, उसे हमेशा छांटा नहीं जा सकता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

छत्तीसगढ़ के लोक तिहार: दान की महान संस्कृति का परिचायक 'छेरछेरा'

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, सहायक संचालक

छेरछेरा पर्व पौष पूर्णिमा के दिन छत्तीसगढ़ में बड़े ही धूमधाम, हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसे छेरछेरा पुन्नी या छेरछेरा तिहार भी कहते हैं। इसे दान लेने-देने पर्व माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान करने से घरों में धन धान्य की कोई कमी नहीं रहती। इस दिन छत्तीसगढ़ में बच्चे और बड़े, सभी घर-घर जाकर अन्न का दान ग्रहण करते हैं। युवा डंडा नृत्य करते हैं।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए शासन द्वारा बीते चार वर्षों के दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के क्रम में स्थानीय तीज-त्यौहारों पर भी अब सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं। इनमें छेरछेरा (मां शाकंभरी जयंती) तिहार भी शामिल है। जिन अन्य लोक पर्वों पर सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं वे हैं हरेली, तीजा, मां कर्मा जयंती, विश्व आदिवासी दिवस और छठ। अब राज्य में इन तीज-त्यौहारों को व्यापक स्तर पर मनाया जाता है, जिसमें शासन की भी भागीदारी होती है। इन पर्वों के दौरान महत्वपूर्ण शासकीय आयोजन होते है तथा महत्वपूर्ण शासकीय घोषणाएं भी की जाती है। छेरछेरा पुन्नी के दिन स्वयं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी परम्परा का निर्वाह करते हुए छेरछेरा मांगते हैं।

छत्तीसगढ़ का लोक जीवन प्राचीन काल से ही दान परम्परा का पोषक रहा है। कृषि यहां का जीवनाधार है और धान मुख्य फसल। किसान धान की बोनी से लेकर कटाई और मिंजाई के बाद कोठी में रखते तक दान परम्परा का निर्वाह करता है। छेर छेरा के दिन शाकंभरी देवी की जयंती मनाई जाती है। ऐसी लोक मान्यता है कि प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ में सर्वत्र घोर अकाल पड़ने के कारण हाकाकार मच गया। लोग भूख और प्यास से अकाल मौत के मुंह में समाने लगे। काले बादल भी निष्ठुर हो गए। नभ मंडल में छाते जरूर पर बरसते नहीं। तब दुखीजनों की पूजा-प्रार्थना से प्रसन्न होकर अन्न, फूल-फल व औषधि की देवी शाकम्भरी प्रकट हुई और अकाल को सुकाल में बदल दिया। सर्वत्र खुशी का माहौल निर्मित हो गया। छेरछेरा पुन्नी के दिन इन्हीं शाकंभरी देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। यह भी लोक मान्यता है कि भगवान शंकर ने इसी दिन नट का रूप धारण कर पार्वती (अन्नपूर्णा) से अन्नदान प्राप्त किया था। छेरछेरा पर्व इतिहास की ओर भी इंगित करता है।

माई कोठी के धान ला हेर हेरा

छेरछेरा पर बच्चे गली-मोहल्लों, घरों में जाकर छेरछेरा (दान) मांगते हैं। दान लेते समय बच्चे 'छेर छेरा माई कोठी के धान ला हेर हेरा' कहते हैं और जब तक गृहस्वामिनी अन्न दान नहीं देंगी तब तक वे कहते रहेंगे- 'अरन बरन कोदो दरन, जब्भे देबे तब्भे टरन'। इसका मतलब ये होता है कि बच्चे कह रहे हैं, मां दान दो, जब तक दान नहीं दोगे तब तक हम नहीं जाएंगे।

छेरछेरा पर्व में अमीर गरीब के बीच दूरी कम करने और आर्थिक विषमता को दूर करने का संदेश छिपा है। इस पर्व में अहंकार के त्याग की भावना है, जो हमारी परम्परा से जुड़ी है। सामाजिक समरसता सुदृढ़ करने में भी इस लोक पर्व को छत्तीसगढ़ के गांव और शहरों में लोग उत्साह से मनाते हैं।

जोशीमठ में उभरती दरारों से अब कैसे निपटेंगे हम

अतींद्र कु शुक्ला

उत्तराखंड के जोशीमठ में मकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आ रही दरारों से हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने के प्रयास कर रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से नुकसान बढ़ रहा है, उसने सभी के माथे पर शिकन बढ़ा दी है। पहली नजर में यही जान पड़ता है कि पहाड़ों में गाहे-बगाहे होने वाले भूस्खलन के कारण इमारतों में दरारें आ रही हैं। भारी बारिश या भूकंप को अमूमन भूस्खलन का मुख्य कारण माना जाता है, लेकिन मानसून के दौरान हल्का-हल्का बरसने वाला पानी भी मिट्टी को गीला कर देता है, जिससे उसकी ताकत कम हो जाती है और वह खिसकने लगती है। मगर अभी न तो बारिश हो रही है और न एक-दो दिनों में कोई भूकंप आया है, लिहाजा मुमकिन है कि पहाड़ों पर पिछले दिनों हुई तेज बर्फबारी के कारण पानी रिसकर नीचे की तरफ आया होगा। हालांकि, एक अनुमान यह भी है कि चूंकि मानवीय गतिविधियों के कारण भी भूस्खलन के मामले सामने आते हैं, इसलिए पहाड़ों में चल रहे विकास-कार्य भी इन दरारों के कारण हो सकते हैं। फिलहाल, इन सबको कयास ही मानना चाहिए और पूरी जांच के बाद हम कुछ कह पाने की स्थिति में होंगे।

अपने देश का 15 फीसदी भौगोलिक इलाका (करीब 4.9 लाख वर्ग किलोमीटर) भूस्खलन से प्रभावित होता है। इसमें मूलत हिमालय और अराकान पर्वत शृंखला के राज्य हैं, जैसे हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मेघालय आदि। चूंकि हिमालय बहुत पुराना पहाड़ नहीं है और हर जगह इसकी बनावट अलग-अलग है, इसलिए भूस्खलन की घटनाएं वहीं हो रही हैं, जहां की मिट्टी अपेक्षाकृत ढीली है। यही वजह है कि दीर्घावधि को ध्यान में रखकर भूस्खलन से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह बार-बार दी जाती है। पहले हमारी आपदा नीति प्रभावितों को मदद पहुंचाने तक सीमित थी, लेकिन 2005 में आपदा प्रबंधन अधिनियम बनाया गया, जिसमें तय किया गया कि आपदा आने से पहले के बचाव-उपायों पर भी हमें ज्यादा ध्यान देना चाहिए, ताकि जान-माल के नुकसान को कम से कम किया जाए। यह एक अच्छी पहल थी। इसके तहत राज्यों और जिलों तक में आपदा प्रबंधन का ढांचा बनाया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की अध्यक्षता तो खुद प्रधानमंत्री करते हैं। इसका एक मकसद यह भी है कि भूस्खलन जैसी कुदरती आपदाओं में एक भी जान का नुकसान न हो। इसी क्रम में 2009 में अन्य आपदाओं के साथ-साथ भूस्खलन से जुड़े कई दिशा-निर्देश भी जारी किए गए।

हालांकि, हमारी यह विडंबना है कि यहां कागजों पर ही काफी काम हो जाता है। ये दिशा-निर्देश भूस्खलन-खतरे को पहचानकर जोन के हिसाब से नक्शा बनाने की वकालत करते हैं, ताकि पता चल सके कि कहां-कहां खतरा है और वह किस हद यह खतरा किस हद तक है? जोखिम वाले क्षेत्रों की निगरानी करने और बचाव के हरसंभव उपाय अपनाने की बात भी इसमें कही गई है। नियमन को लेकर भी इसमें कई तरह के प्रस्ताव हैं, जो बताते हैं कि यहां विकास-कार्य किस तरह से किए जाने चाहिए, भवनों का किस तरह से निर्माण होना चाहिए और बचाव के कौन-कौन से उपाय अपनाए जाने चाहिए। बावजूद इसके यदि भूस्खलन होता है, तो लोगों की जान कैसे बचाई जाए, इसके भी दिशा-निर्देश बनाए गए थे।

स्पष्ट है, इन दिशा-निर्देशों पर अमल हुआ होता, तो जोशीमठ में यूं हलचल न मचती। हमें एकीकृत नोडल एजेंसी बनाकर इन पर संजीदगी से काम करना चाहिए। हमें यह पता है कि कितना बड़ा इलाका भूस्खलन से प्रभावित हो सकता है। यदि वहां ठीक-ठीक काम हो सके, तो जोखिम वाली आबादी को हम निश्चय ही बचा सकेंगे। प्रकृति पर हमारा वश नहीं, मगर विकास-कार्यों के नाम पर पहाड़ों को जो उजाड़ा जा रहा है, उसे जरूर रोक सकते हैं। जलविद्युत परियोजनाएं या सड़कें हमारी जरूरत हैं, लेकिन हमें कहां कितना विकास-कार्य करना चाहिए, इसकी निगरानी आवश्यक है। चेतावनी प्रणाली पर भी हमें पर्याप्त काम करना होगा। प्रकृति के साथ ज्यादा छेड़छाड़ किए बिना यदि हम विकास-कार्य कर सकें, तो वे हमारे लिए ज्यादा मुफीद साबित होंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

काल्पनिक भेड़िये का भय?

ओमैग ने कहा है- 'भय फैलाने की प्रवृत्ति से बचा जाना चाहिए, ताकि लोग उस समय चेतावनियों को नजरअंदाज ना कर दें, जब सचमुच भेड़िया आएगा।' तमाम आंकड़े और संकेत ओमैग की कही बातों के पक्ष में जाते हैं। कोरोना संक्रमण की नई लहर को लेकर भारत में बनाभय, इस बात की ही मिसाल है कि देश में मेडिकल हालात के राजनीतिक दुरुपयोग की प्रवृत्ति किस हद तक पहुंच गई है। क्या अफसोसनाक नहीं है कि देश में कोरोना की नई लहर का खतरा किस हद तक है, इस पर डॉक्टरों की संस्थाएं ही बंट जाएं? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात के तुरंत बाद देश में डॉक्टरों की एक संस्था- इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने पिछले हफ्ते ये चेतावनी जारी कर दी कि देश पर नई लहर का खतरा मंडरा रहा है। अब 15 मेडिकल एसोसिएशनों के संघ- ऑर्गनाइज्ड मेडिसीन एकेडमिक गिल्ड (ओमैग) ने डॉक्टरों और सरकारी एजेंसियों से भारत की लगभग सुरक्षित स्थिति को स्वीकार करने को कहा है। ओमैग ने कहा है- 'भय फैलाने की प्रवृत्ति से बचा जाना चाहिए, ताकि लोग उस समय चेतावनियों को नजरअंदाज ना कर दें, जब सचमुच भेड़िया आएगा।' तमाम आंकड़े और संकेत ओमैग की कही बातों के पक्ष में जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक बड़े हिस्से में आम राय है कि कोरोना वायरस अब कमजोर पड़ चुका है। इसके नए संस्करण संक्रामक हो सकते हैं, लेकिन उनसे आपातकालीन स्थिति पैदा होने की आशंका नहीं है। इस बात की मिसाल चीन ही है, जहां तेजी से संक्रमण बढ़ने के बावजूद मौतों की दर बेहद निम्न रही है और अब नए संक्रमण के मामले भी उतार पर हैं। भारत में स्थिति यह है कि 90 प्रतिशत आबादी में कोविड संक्रमित होने या टीकाकरण के कारण इस वायरस के प्रति इम्युनिटी पैदा हो चुकी है। इसलिए 2020 या 2021 जैसे हालात पैदा होंगे, इसका अंदेशा बेहद कम है। वैसे ओमैग जैसी संस्थाएं भी मानती हैं कि सावधानी की जरूरत है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ महिला चेंबर द्वारा निःशुल्क रक्त जांच शिविर का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर द्वारा डॉ. पवन जोशी (हेल्थ एंड न्यूट्रिशियन स्पेशलिस्ट) एवं डॉ. प्रिया जोशी होम्योपैथी गोल्ड मेडलिस्ट के सानिध्य में दिनांक 04-01-2023 को नए साल की नयी उमंग नई तरंग थीम के तहत अनुपम नगर ट्विन टावर-जोशी होम्योपैथिक क्लिनिक एंड जोशी जिम में निःशुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमे अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं ने निःशुल्क जाँच कराकर लाभ उठाया।

श्रीमती अरोरा जी ने आगे कहा कि शिविर में मात्र 500/- में लीवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, थायराइड प्रोफाइल, कंप्लीट ब्लड काउंट, लिपिड प्रोफाइल, आयरन प्रोफाइल, एचबीए1सी, कैलशियम, फास्फोरस का टेस्ट हुआ जिसका बाजार मूल्य 2200ध- या उससे ज्यादा होता है। आज के इस मंहगाई के दौर में हमारे माध्यम वर्गीय महिलाएं इस प्रकार के मेडिकल चेकअप कराने से बचतीं है ताकि उनपर या परिवार पर कोई आर्थिक बोझ ना बढ़े यह जानते हुए की इस तरह के कदम उनके स्वास्थ्य एवं परिवार के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं ।

श्रीमती अरोरा जी ने आगे कहा कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है की हम निम्न और मध्यम वर्गीय महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार हेतु इस तरह के शिविर का आयोजन कर उन्हें लाभ पहुंचाएं । श्रीमती अरोरा ने यह भी कहा कि शिविर में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिए जिसे देखते हुए कल दिनांक 05-01-2023 को भी निःशुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। अंत में महिला चेंबर अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा जी ने डॉ.प्रिया जोशी जी का श्रीफल एवं शाल से सम्मान कर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला चेंबर अध्यक्ष मधु अरोरा, महामंत्री पिंकी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेरणा भट्ट, संरक्षक मीनाक्षी टुटेजा, आभा मिश्रा, फरीदा, सपना द्विवेदी, प्रीति मिश्रा, साक्षी बजाज, निष्ठा चतुर्वेदी, इंदिरा जैन, सुनील अग्रवाल, श्वेता आदि उपस्थित थे।

प्रदेश में 20 लाख से अधिक किसानों से 84.66 लाख टन धान की खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का महाभियान निरंतर जारी है। यह अभियान 31 जनवरी 2023 तक चलेगा। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में समर्थन मूल्य पर किसानों से अब तक 84.66 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। धान खरीदी के एवज में राज्य के 20 लाख से अधिक किसानों को 17,544 करोड़ रूपए का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया गया है।

मुख्यमंत्री की पहल पर पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक 71.50 लाख मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 58.25 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि 04 जनवरी को 33 हजार 804 किसानों से 1.37 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। इसके अलावा ऑनलाइन प्राप्त टोकन के जरिए किसानों से लगभग 16 हजार टन धान की भी खरीदी हुई हैं। आगामी दिवस की धान खरीदी के लिए 52 हजार से अधिक टोकन तथा टोकन तुंहर हाथ एप के जरिये लगभग 5 हजार से अधिक टोकन ऑनलाइन जारी किए गए हैं।

गौरतलब है कि इस साल राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.26 लाख नये किसान शामिल हैं। राज्य में धान खरीदी के लिए 2600 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। इसी तरह राज्य में धान खरीदी की व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सीमावर्ती राज्यों से धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए चेक पोस्ट पर माल वाहकों की चेकिंग की जा रही है।

खास खबर

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों का बेहतर इलाज

गरियाबंद। जिले के सभी विकासखण्ड में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चिकित्सकों का दल गठन कर बच्चों के गंभीर बीमारी का बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ उरांव से मिली जानकारी अनुसार आरबीएस के दल द्वारा गंभीर बीमारी से चिन्हित जिले के उमंग साहू, जिज्ञासा निर्मलकर और लक्ष्य मानिकपुरी नाम के बच्चों को डी.के.एस. अस्पताल मे भेजकर बीमारी से छुटकारा दिलाने के लिए ईलाज का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसी प्रकार आरबीएस के दल ने देवभोग क्षेत्र के ग्राम चिकराभाठा के योगेन्द्री और सौरवी को रायपुर स्थित एनएच एमएमआई अस्पताल ले जाकर हृदय रोग का ऑपरेशन करवाकर वापस सकुशल उन्हे घर पहुंचाई गई। आरबीएस के दल द्वारा स्कूलों का भ्रमण कर 24 गंभीर बच्चो को ईलाज के लिए रेफर कर 04 बच्चो को आपरेशन के लिए चिन्हित किया गया है।

आंगनबाड़ी में रिक्त पदों के लिए 12 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

रायगढ़। एकीकृत बाल विकास परियोजना खरसिया द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र डेराडीह, कटौद में कार्यकर्ता, लोढ़ाझर मिनी, राजपुर मिनी, करूमौहा मिनी में मिनी कार्यकर्ता एवं तुरेकेला 2, सोनबरसा 1, गिडोला 1, कटौद, कुरू 1, बड़े देवगांव, सरवानी उरांवपारा 3, मिनगीपारा, जैमुड़ा, चोढ़ा जूनाडीह आड़पथरा, मधुवनपारा, मुरा 3, काफरमार लाल्हीपारा, नवाडीह, दर्रामुड़ा 1, तेन्दुमुड़ी 1, बाम्हनपाली भांठापारा, जामझोर एवं मौहापाली बस्तीपारा में सहायिका नियुक्ति के लिए गत दिवस आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदन पत्रों का विस्तृत परीक्षण कर मूल्यांकन समिति द्वारा अनंतिम मूल्यांकन पत्रक अनुमोदित कर परियोजना कार्यालय खरसिया, जनपद पंचायत कार्यालय खरसिया एवं संबंधित ग्राम पंचायतों में चस्पा किया गया है।

सांसद दीपक बैज ने की मिशन आत्मनिर्भर-2023 की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिला प्रशासन द्वारा लुई ब्रेल की जयंती के मौके पर मिशन आत्मनिर्भर-2023 की शुरूआत की गई। इसके माध्यम से बस्तर जिले के हर दिव्यांग जन तक समाज कल्याण विभाग की पहुंच को सुनिश्चित की जाएगी। आड़ावाल स्थित दृष्टि-श्रवण बाधित शासकीय स्कूल बस्तर सांसद श्री दीपक बैज ने कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर 5 जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समाज कल्याण विभाग के इस जागरूकता रथ में 10 लोगों की टीम होगी जो बस्तर जिले के हर गांव तक एक साथ पहुंचेगी।

यानी कि एक साथ 50 लोगों की टीम दिव्यांग जनों की सहायता के लिए तैयार रहेगी। इनमें शामिल टीम 21 बिंदुओं की एक प्रश्नोत्तरी पर दिव्यांग जनों से जानकारी लेगी, जिसके अंतर्गत यह पता लगाया जा सकेगा कि, दिव्यांग जनों का यूडीआईडी कार्ड बना है या नहीं, उनका आधार कार्ड बना है या नहीं, इससे शासन की योजनाओं का सही लाभ दिव्यांगों तक पहुंच पाएगी और विभाग के पास भी उचित डाटा उपलब्ध होगी।

इस अवसर पर बस्तर सांसद दीपक बैज ने कहा कि, समाज कल्याण विभाग हमेशा दिव्यांगजनों की भलाई के लिए आगे रहता है। विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य उन्हें हमेशा प्रेरित करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की योजनाओं से राज्य के दिव्यांगजनों के जीवन में नया सवेरा आया है। सांसद ने दृष्टि-श्रवण बाधित शासकीय स्कूल की शिक्षक की मांग को भी पूरा करने की बात कही, साथ ही खेल के मैदान की सुविधा देने की बात भी सांसद ने की।

इंद्रावती प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री राजीव शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि दिव्यांगजनों के लिए विभाग के द्वारा किए जा रहे कार्य अतुलनीय है। ये समाज में एक सकारात्मक बदलाव लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की हर मांग को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन पूरी तरह तत्पर है। दिव्यांगजनों की हर मांग के लिए संसाधनों की आपूर्ति सरकार द्वारा की जा रही है। विभाग की उपसंचालक श्रीमती वैशाली मरड़वार ने जानकारी दी कि इस शिविर के माध्यम से जिल के एक-एक दिव्यांगजनों की पूरी जानकारी समाज कल्याण विभाग के पास होगी। कार्यक्रम की शुरुआत दृष्टि-श्रवण बाधित शासकीय स्कूल के बच्चों द्वार राजगीत गाकर की गई।

सियान सहायता योजना के अंतर्गत 20 हजार रूपए दी जाएगी सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में संचालित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों हेतु 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके निर्माण श्रमिक की मंडल की सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाती है, ऐसे निर्माण श्रमिक जो मंडल की सदस्यता से निवृत्त होने वाले है, उन्हें सदस्यता से निवृत्त होने के पूर्व बेहतर जीवन यापन के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना' अंतर्गत सहायता स्वरूप राशि एकमुश्त राशि 10 हजार रूपए प्रदाय की जा रही थी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने नव वर्ष के अवसर पर चावड़ी रायपुर में मजदूरों से भेंट कर श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित 'मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना' सहायता राशि 10 हजार रूपए से बढ़ाकर 20 हजार रूपए एकमुश्त राशि प्रदाय करने की घोषणा की गई थी। जिसके फलस्वरूप श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना की राशि में वृद्धि करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है।

योजना की पात्रता के तहत निर्माण श्रमिक के रूप में कम से कम विगत 03 वर्ष से मंडल में पंजीकृत हो और निर्माण श्रमिक की न्यूनतम आयु 59 वर्ष एवं अधिकतम 60 वर्ष होना आवश्यक है। श्रम विभाग की योजनाओं का फायदा लेने के लिए पात्र श्रमिक आवेदन श्रम विभागीय पोर्टल सीजी लेबर डाटएन आईसीडाटइन पर ऑनलाइन प्रारंभ है। जिसमें श्रमिक स्वयं ऑनलाईन के माध्यम से श्रमेव जयते मोबाईल एप संबंधित जिला के श्रम कार्यालय या किसी भी लोक सेवा केंद्र के माध्यम से आवेदन कर सकता है।

मुख्यमंत्री मितान योजनाः अब घर बैठे बन रहे पैनकार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धमतरी शहर के रिसाईपारा वार्ड की गृहणी श्रीमती सरिता साहू काफी खुश हैं, कि घर बैठे उनकी पैन कार्ड बनाने की प्रक्रिया मितान ने आकर पूरी कर दी। वे कहतीं हैं कि पैन कार्ड बनाने के लिए टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल करने पर मितान उनके घर पहुंचे और उनसे जरूरी दस्तावेज लेकर पैन कार्ड बनाने की ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर दी। मितान ने बताया गया कि तय समय में दिए गए पते पर पैन कार्ड आ जाएगा। पैनकार्ड बनाने की प्रक्रिया आसान होने से श्रीमती साहू खुश होकर कहने लगीं कि पैनकार्ड के लिए उन्हें कार्यालयों में जाने की जरूरत ही नहीं पड़ी और सब आसानी से हो गया। इसके लिए वह मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि मुख्यमंत्री मितान योजना हम गृहणियों सहित आम लोगों के लिए वरदान से कम नहीं, क्योंकि इसके जरिए जरूरी सेवाएं नागरिकों को घर बैठे मिल रही है। प्रदेश सरकार के चार साल पूरा होने के उपलक्ष्य में गौरव दिवस पर 17 दिसम्बर 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मितान योजना में पैनकार्ड के लिए पंजीयन कराने की सुविधा देकर नागरिकों को एक और सौगात दी। इसके तहत अब मितान घर आकर पैनकार्ड बनाने आवश्यक दस्तावेज संकलित कर आगे पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। श्रीमती सरिता साहू सहित धमतरी शहर के अब तक आठ लोगों का पैनकार्ड के लिए पंजीकरण किया गया है। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज के तौर पर आधार कार्ड और दो पासपोर्ट आकार के फोटो लिए जा रहे हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य इस योजना को विस्तारित कर सभी नागरिकों विशेषतः बुजुर्गों, दिव्यांगों एवं निरक्षरों को घर बैठे आसानी से 100 प्रकार की सेवाएं घर बैठे प्रदान करना है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशन में नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा 01 मई 2022 से नागरिकों को सरकारी दस्तावेज बनवाने हेतु घर पहुँच सेवा 'मुख्यमंत्री मितान योजना' की शुरुआत प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों में प्रारंभ की गई थी।

कलेक्टर डॉ. भुरे ने राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक की तैयारियों का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आज यहां 8 जनवरी से प्रारंभ होने वाले राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेलों के आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम पहुंचे।

वहां उन्होंने छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए सभी तैयारियां समय से पूर्व पूरे करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। राजधानी रायपुर के तीन जगहों, बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, आउटडोर स्टेडियम और सप्रे शाला मैदान पर प्रतिस्पर्धाएं आयोजित होंगी। इस खेल आयोजन में पूरे प्रदेश के लगभग 2 हजार प्रतिभागी और अधिकारी-कर्मचारी शामिल होगें। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, सीएसआईडीसी, खेल विभाग, नगर निगम एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक के राज्य स्तरीय खेलों का खेलों का समापन 10 जनवरी को शाम 5 बजे होगा। कलेक्टर ने खिलाड़ियों की सुरक्षा, भोजन व्यवस्था एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने , प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों -अधिकारियों, व्यवस्थापकों-निर्णायको की जानकारी लेकर सभी व्यवस्था समय पर पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर क्रिएटिव स्लोगन के लिए 10 तक भर सकते हैं नामांकन

राजनांदगांव। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी 2023 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता के तहत जिला एवं राज्य के समाचार पत्रों में प्रकाशन, सोशल मीडिया में प्रयोग तथा होर्डिंग बैनर पोस्टर व दीवारों पर प्रकाशन के लिए नारा लेखन में प्रयुक्त होने वाले क्रिएटिव एवं मतदाता जागरूकता के संदेशों को उत्कृष्टता से डिजाइन करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। चयन समिति द्वारा संवीक्षा उपरांत पुरस्कार हेतु पात्र अधिकारी-कर्मचारी का चयन किया जाएगा।

खास खबर...

मंत्री डॉ. डहरिया की अनुसंशा पर करोड़ों के विकास कार्य स्वीकृत

रायपुर। नगरीय प्रशासन, विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया की अनुशंसा पर आरंग क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति मिली है इनमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अमेठी से भोथली सड़क मार्ग हेतु 3 करोड़ 48 लाख रुपये की स्वीकृति किए है। साथ ही जल संसाधन विभाग द्वारा ग्राम पलौद में स्टैपडेम शीर्ष एवं नहर लाइनिंग कार्य हेतु 1 करोड़ 33 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन निर्माण कार्यों के लिए ग्रामीणजन वर्षों से मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी मांगे अधूरी की अधूरी रह गई थी। क्षेत्रीय विधायक डॉ. शिवकुमार डहरिया के मंत्री बनने पर ग्रामीणों की आश जागी और ग्रामीणों ने अपनी मांग को लेकर मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया से मुलाकात कर अपनी मांग पत्र को उन्हें सौंपा जिस पर मंत्री डॉ. डहरिया ने त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित विभाग को अनुशंसा पत्र भेजकर निर्माण कार्यों की स्वीकृति दिलाई। निर्माण कार्यों की स्वीकृति मिलने पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन हर्ष व्यक्त किया है और मंत्री डॉ. डहरिया के प्रति आभार भी व्यक्त किया है, इनमें प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष खिलेश्वर देवांगन, हेमलता डुमेंद्र साहू, कोमल सिंह साहू, मोहन साहू, बलदाऊ चंद्राकार, लक्ष्मी हीरादास जांगड़े, राहुल कुर्रे, ईश्वर जोगलेकर, जोइधाराम साहू, गौरव चंद्राकार, अवध लोधी, सजल चंद्रकार, सुभांशु साहू, राजेश बारले, सत्येंद्र चेलक, गणेश बन्दे, और अवध लोधी सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीण जनों ने हर्ष व्यक्त किया हैं।

तीन सिंचाई योजनाओं के लिए 41.26 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश की तीन विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के कार्यों को कराने के लिए 41 करोड़ 26 लाख 34 हजार रूपए स्वीकृत किए हैं। योजना के पूरा होने से 1770 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। धमतरी जिले के विकासखण्ड-नगरी के बरबांधा जलाशय के बांध एवं नहरों का जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण कार्य के लिए 19 करोड़ 54 लाख 74 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। योजना के पूरा होने से 425 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। कबीरधाम जिले के विकासखण्ड-बोड़ला की रामपुर बरेड़ा व्यपवर्तन योजना के कार्य के लिए 06 करोड़, 20 लाख 70 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। योजना के पूरा होने से 250 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। बेमेतरा जिले के विकासखण्ड-साजा की फेस-2 सुरहीकर्रा व्यपवर्तन योजना के लघु नहरों (देऊरगांव) का रिमॉडलिंग एवं लाईनिंग तथा बोरतरा सब माईनर के निर्माण कार्य के लिए 15 करोड़ 50 लाख 90 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। योजना के पूरा होने से 1095 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

छत्तीसगढ़ में हर व्यक्ति को न्याय, सम्मान और स्वाभिमान के साथ मिला आगे बढ़ने का अवसरः सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बीते चार सालों में हर व्यक्ति को न्याय, सम्मान और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिला है। इसके फलस्वरूप राज्य में सभी वर्ग के लोगों में समृद्धि आई है और उनका जीवन खुशहाली से भर उठा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी के निजी होटल में एक चैनल कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने चर्चा-परिचर्चा में भाग लेते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के समन्वित विकास के लिए हमने न्याय को आधार बनाकर सुशासन की एक संकल्पना गढ़ी थी। इनमें सभी वर्गों को समाज में उचित सम्मान मिले और वे पूरे आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ सके। इसे लेकर हमारी सरकार द्वारा कई न्याय योजनाएं शुरू की गई। हमारी सरकार द्वारा चलाई जा रही इन जनकल्याणकारी योजनाओं के परिणाम धरातल पर साफ-साफ दिखाई देने लगे हैं। इससे राज्य में सभी वर्ग के लोगों को उन्नति के भरपूर अवसर मिले और उनके जीवन में समृद्धि आई है।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस तारतम्य में छत्तीसगढ़ में 2 अक्टूबर 2019 से संचालित सुराजी गांव योजना का जिक्र करते हुए बताया कि इसके तहत प्रदेश में जल संरक्षण, पशु संवर्धन तथा पोषण प्रबंधन को बढ़ावा मिला है और इससे गांव-गांव स्वावलंबी होने लगे हैं। ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही बड़े तादाद में रोजगार के अवसर सुलभ हुए हैं और उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। इसी तरह गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना आदि से समाज के एक बड़े वर्ग किसानों, पशुपालकों और खेतीहर मजदूरों को आर्थिक संबल मिला है। इसी तरह समर्थन मूल्य पर लघु वनोपजों आदि की खरीदी से आदिवासी-वनवासी संग्राहकों को इनका संग्रहण का भरपूर लाभ मिलने लगा है।

मुख्यमंत्री बघेल ने बताया कि राज्य में लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। राज्य का अधिकांश क्षेत्र वर्षा आधारित होने से मौसमी प्रतिकूलता, कृषि आदान लागत में वृद्धि के कारण कृषि आय में अनिश्चितता बनी रहती थी। फलस्वरूप कृषक फसल उत्पादन के लिए आवश्यक आदान जैसे उन्नत बीज, यांत्रिकीकरण तथा कृषि तकनीकी आदि में पर्याप्त निवेश नहीं कर पाते थे। इसे ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार द्वारा राज्य में कृषि में पर्याप्त निवेश एवं कास्त लागत में राहत देने कृषि इनपुट सब्सिडी हेतु राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू की गई है। इसी तरह गांव-गांव में पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए गोधन न्याय योजना लागू की गई है। दो रूपए किलो में गोबर खरीदी की यह योजना काफी लोकप्रिय हुई है और इस योजना को देश के अन्य राज्य भी अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मिलेट्स से बने व्यंजनों को बढ़ावा देने विधायकों को कराया लंच

जल्द ही मंत्रालय और संभागीय सी-मार्ट में खुलेंगे मिलेट्स कैफेः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आमंत्रण पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों ने बुधवार को मिलेट्स से बने व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उन्होंने सभी व्यंजन का लुत्फ उठाया। उन्होंने कहा कि मुझे रागी का हलवा बेहद पसंद आया। साल 2023 मिलेट वर्ष के रूप में घोषित हुआ है। पिछले वर्ष हमने 52 हजार क्विंटल कोदो, कुटकी, रागी की खरीदी की है। छत्तीसगढ़ एकमात्र राज्य है जो समर्थन मूल्य पर कोदो कुटकी रागी की खरीदी कर रहा है। इससे किसानों को लाभ हुआ है साथ ही उत्पादन भी बढ़ा है। मिलेट्स का उपयोग सभी को ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए क्योंकि इसमें बहुत से पौष्टिक तत्व होते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के मिलेट्स मिशन की प्रशंसा की है और उन्होंने रायपुर में मिलेट्स कैफे खोलने का आग्रह किया है, उनके आग्रह को देखते हुए हम मंत्रालय में मिलेट्स कैफे खोल रहे हैं साथ ही संभागीय सीमार्ट केंद्रों में भी मिलेट्स कैफे शुरू करेंगे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के समस्त सदस्यों हेतु मिलेट से बने व्यंजनों को प्रदर्शित करने तथा इसको लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से दोपहर भोज का आयोजन किया गया। इसी क्रम में बुधवार को दोपहर के भोजन में कोदो, कुटकी एवं रागी के विभिन्न व्यंजनों के भोजन तैयार किये गये जिसमें मिलेट से तैयार किये गये छत्तीसगढ़ी व्यंजन भी शामिल रहे।

रागी, कोदो, कुटकी के लाजवाब स्वाद से भरा मेन्यु

मिलेट्स लंच में विधायकों के लिये मिलेट्स से बने हर तरह के व्यंजन उपलब्ध रहे। खास बात है कि सभी व्यंजनों में छत्तीसगढ़ी का तड़का था। मेन्यु में रागी का सूप , स्टार्टर में रागी के पकोड़े, कोदो के भजिये, बाजरा और गुड़ के पुये, कुटकी के छत्तीसगढ़ी फरे, रागी, कुटकी के चीले, मेन कोर्स में बाजरे की छत्तीसगढ़ी कढ़ी, लाल भाजी, जिमी कांदा, कोदो का वेज पुलाव, ज्वार, बाजरा , रागी के रोटी और पराठे का सभी ने स्वाद लिया। इसके साथ ही डेजर्ट में रागी, कुटकी का कप केक, रागी का हलवा, और कोदो की ड्राई फ्रूट्स खीर का लुत्फ उठाया।

प्रधानमंत्री ने की सराहना

छत्तीसगढ़ में मिलेट्स मिशन की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल ही में सराहना की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को राज्य में संचालित मिलेट्स मिशन के बारे में जानकारी दी थी। मुलाकात के दौरान श्री मोदी ने रायपुर में मिलेट्स कैफे खोलने की सलाह भी दी । उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा 01 दिसंबर 2021 से मिलेट मिशन प्रारंभ किया गया है, जिसका प्रमुख उद्देश्य प्रदेश में मिलेट (कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार इत्यादि) की खेती को बढ़ावा देना, मिलेट के प्रसंस्करण को बढ़ावा देना तथा दैनिक आहार में मिलेट्स के उपयोग को प्रोत्साहित कर कुपोषण दूर करना है।

अच्छी पढ़ाई करो और डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करोः भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री से गोधन न्याय योजना के हितग्राही के पुत्र ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मेडिकल कॉलेज के छात्र आलोक सिंह से कहा कि अच्छी पढ़ाई करो और डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करो। आलोक ने मुख्यमंत्री से आज विधानसभा में मुलाकात की। आलोक सिंह गोधन न्याय योजना के हितग्राही मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के निवासी संतोष सिंह के सुपुत्र हैं। मुख्यमंत्री ने आलोक को मेडिकल कॉलेज की पढ़ाई के लिए एक लाख रूपए की सहायता राशि देने की तत्काल स्वीकृति दी। श्री बघेल ने आलोक को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक विनय जायसवाल उपस्थित थे।

संतोष पशुपालक हैं। उन्होंने गोधन न्याय योजना के तहत गोबर बेचकर 3 लाख 25 हजार प्राप्त किए थे, जिससे अपने सुपुत्र आलोक को राजस्थान के कोटा में नीट परीक्षा की कोचिंग कराई थी। वहां से उपयुक्त मार्गदर्शन के पश्चात उनके सुपुत्र ने मेडिकल कॉलेज प्रवेश परीक्षा 'नीट' उत्तीर्ण कर ली और वे आज कांकेर के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं।

विधानसभा पवित्र सदन जहां से राज्य के विकास का रास्ता सुनिश्चित होता हैः राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा आयोजित ''उत्कृष्टता अलंकरण समारोह'' तथा सांस्कृतिक संध्या में शामिल हुई। राज्यपाल सुश्री उइके ने इस अवसर पर उत्कृष्ट विधायकों, उत्कृष्ट संसदीय पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तथा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। समारोह की अध्यक्षता विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने की तथा अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा विधान सभा उपाध्यक्ष संतराम नेताम उपस्थित थे।

राज्यपाल सुश्री उइके ने अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में भी चरणदास महंत के चार वर्ष का कार्य काल पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दी और निर्बाध रूप से सदन के संचालन के लिए उनके कार्यशैली की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को दादा बनने पर शुभकामनाएं दी तथा नवआगंतुक के स्वस्थ व खुशहाल जीवन की कामना की। साथ ही राज्यपाल ने नवनिर्वाचित विधानसभा उपाध्यक्ष संतराम नेताम को भी बधाई दी। उन्होंने अलंकरण समारोह में सम्मानित सदस्यों और पत्रकारों से कहा कि आप सभी निरंतर जनता के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उत्कृष्टता के पथ पर आगे बढ़े। राज्यपाल ने कहा कि कार्यक्षेत्र कोई भी हो, उत्कृष्टता कड़ी मेहनत का परिणाम होती है। उत्कृष्टता का सम्मान सभी को सकारात्मक ऊर्जा के भाव से भर देता है। यह सम्मान अपने कार्यों को और बेहतर तरीके से करने के लिए प्रेरित करते हैं। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में उत्कृष्ट विधायकों और उत्कृष्ट संसदीय पत्रकारों को सम्मानित करने की परम्परा अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि सभी सदस्य इसी प्रकार लोकतंत्र और विधानसभा का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि यह गर्व की बात है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा ने अपनी लघु संसदीय यात्रा में, संसदीय परंपराओं के श्रेष्ठ कीर्तिमानों को स्पर्श करते हुए, एक विशिष्ट मुकाम हासिल किया है। उच्च संसदीय परम्पराओं और प्रक्रियाओं के परिपालन में यह विधानसभा, अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करने में सफल रही है। राज्यपाल ने इस मौके पर वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट ई-बजट के रूप में प्रस्तुत किये जाने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे पेपरलेस प्रणाली को अपनाने की दिशा में इसे विधानसभा की अच्छी पहल बताया। राज्यपाल ने उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार सम्मान दिए जाने की भी सराहना की और कहा कि मीडिया, शासन और जनता के बीच सेतु के रूप में है। यह दोनों के बीच संवाद कायम करने का कार्य करता है। शासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह नागरिकों की समस्याओं से शासन को परिचित कराता है। उन्होंने मीडिया के बढ़ते प्रभाव को उल्लेख करते हुए कहा कि समाज में मीडिया महत्ता एवं उपयोगिता में वृद्धि हुई है। पत्रकार जितने सजग रहकर जन सरोकार के मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे, उतनी ही विधायिका की धार तेज होगी। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मीडिया ने अपने विविध रूपों के माध्यम से न केवल आम जनता को जागरूक, शिक्षित किया है, बल्कि राज्य के विकास में अहम भूमिका भी निभाई है। वे सत्र के दौरान सदन की कार्रवाई से, जनसामान्य को अवगत कराते रहे हैं। उनके द्वारा सदैव विधानसभा की सन्तुलित और सकारात्मक-ज्ञानवर्धक रिपोर्टिंग की जाती रही है। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा, लोकतांत्रिक मूल्यों को और मजबूत करने के लिए, इसी प्रकार प्रतिबद्ध रहेगी और राष्ट्रीय पटल पर इसका नाम, अग्रणी होगा। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विधान सभा ने अपने गठन के साथ ही नई संसदीय परम्पराओं को स्थापित करने में सफलता पाई है।

विधान सभा अध्यक्ष डॉ. महंत ने कहा कि आप सभी के सहयोग से ही ये संभव हो पाया है कि मैं आपकी सेवा कर पाया हूं. इस दौरान पक्ष एवं प्रतिपक्ष के सदस्यों का पूरा सहयोग रहा. आप सभी ने विधानसभा की गरिमा, मर्यादा एवं संसदीय आचरण को बरकरार रखा इसके लिए आप सभी को बधाई देता हूं।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अपनी उत्कृष्टता को साबित करना एवं कार्य के लिए सम्मान मिलना जीवन की बड़ी उपलब्धि होती है और ये सम्मान विधानसभा में मिले तो ये बहुत बड़ी बात है। मुख्यमंत्री ने सम्मानित विधायक एवं पत्रकारों के उज्वल भविष्य की बधाई देते हुए विधानसभा सचिवालय को भी आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बॉडी ऑयल बनाम लोशनः

किसे स्किन केयर रूटीन में शामिल करना है सही

त्वचा को मॉइस्चराइज करना स्किन केयर रूटीन के सबसे महत्वपूर्ण स्टेप्स में से एक है। इसके लिए ज्यादातर लोग बॉडी ऑयल और लोशन का इस्तेमाल करते हैं। ये दोनों ही प्रोडक्ट्स त्वचा को मॉइस्चराइज कर सकते हैं, लेकिन इनमें काफी अंतर है। आइए आज जानते हैं कि बॉडी ऑयल और लोशन में क्या अंतर है और इनमें से किसे चुनना त्वचा के लिए ज्यादा बेहतर है।

बॉडी ऑयल के फायदे

बॉडी ऑयल्स त्वचा को हाइड्रेट रखते हुए इसमें प्राकृतिक नमी को लॉक कर सकते हैं। इन्हें बनाते समय कई वनस्पति तेल जैसे जोजोबा, जैतून, नारियल, आर्गन, बादाम और एवोकाडो ऑयल का इस्तेमाल किया जाता है, जो त्वचा को गहराई से पोषण देने में मदद कर सकते हैं। बॉडी ऑयल्स सेल्युलाईट, स्ट्रेच मार्क्स और कई तरह के निशानों को कम करने में भी मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही ये त्वचा को चमकदार बनाए रख सकते हैं।

लोशन से त्वचा को मिलने वाले लाभ

लोशन आवश्यक नमी के साथ-साथ त्वचा को पोषण देकर परतदार, खुजली और तंग त्वचा जैसी समस्याओं को दूर कर सकता है। बॉडी ऑयल को नहाने के बाद लगाना सबसे अच्छा माना जाता है, लेकिन लोशन को आप दिन में किसी भी समय अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं। हाइलूरोनिक एसिड, ग्लिसरीन, एलोवेरा, विटामिन ई और सेरामाइड युक्त लोशन त्वचा का हाइड्रेशन बढ़ाने में भी मदद कर सकता है।

बॉडी ऑयल और लोशन के बीच अंतर

बॉडी ऑयल्स को बनाते समय तरह-तरह के तेल और जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि लोशन बनाने के लिए पानी, तेल और क्लींजिंग तत्वों का उपयोग होता है। बॉडी ऑयल प्राकृतिक नमी को सील करने में मदद करता है और त्वचा के बाहरी हिस्से पर एक सुरक्षात्मक परत बनाता है, वहीं लोशन से त्वचा मॉइस्चराइज और मुलायम होती है। बॉडी ऑयल रूखी त्वचा के लिए बेहतरीन हैं, जबकि लोशन हर तरह की त्वचा के लिए उपयुक्त है।

दोनों में से किसका चयन करें?

बॉडी ऑयल और लोशन, दोनों को ही स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बनाया जा सकता है। हालांकि, अगर आपकी त्वचा काफी रूखे प्रकार की है तो बॉडी ऑयल का इस्तेमाल करना ज्यादा अच्छा है, वहीं सभी तरह की त्वचा पर लोशन लगाना भी सही है। बस हमेशा अपनी त्वचा की जरूरत को ध्यान में रखकर ही किसी लोशन का चयन करें।

गदर 2 से सनी देओल की दिखी पहली झलक, इस बार पहिया उठाए नजर आए तारा सिंह

सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर एक प्रेमकथा को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब करीब दो दशक बाद फिल्म का सीक्वल आने जा रहा है। जाहिर है, इसे लेकर फिल्म के प्रशंसकों में खासा उत्साह है। वे तारा सिंह के किरदार में सनी को दोबारा पर्दे पर देखने के लिए बेकरार हैं। अब इस किरदार में सनी की पहली झलक दिखाई दी है। फिल्म में सनी एक बार फिर से पुराने अंदाज में तेज-तर्रार नजर आएंगे। जी स्टूडियोज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें इस साल आने वाली फिल्मों की झलकियां हैं। इनमें सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान, अजय देवगन की मैदान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की हड्डी जैसी फिल्में शामिल हैं। इसी वीडियो में गदर की भी एक झलक दिखाई गई। तारा सिंह की महज एक झलक ने ही प्रशंसकों को खुश कर दिया है। अंदाजा है कि निर्माताओं ने किरदार का पुराना अंदाज बरकरार रखा है।

इस वीडियो में सनी देओल बैल गाड़ी का एक पहिया गुस्से में उठाए नजर आ रहे हैं। इस दृश्य ने लोगों को सनी के हैंडपंप उखाड़ने वाले आइकॉनिक दृश्य की याद दिला दी। गदर फिल्म का यह दृश्य काफी चर्चित है जिसमें तारा सिंह हाथों से ही एक हैंडपंप उखाड़ देता है। यह दृश्य सनी की पहचान के साथ जुड़ चुका है। यही कारण है कि पहिया उठाए सनी को देखकर लोगों को उनके पुराने अंदाज की याद आ गई।

जहां पिछली फिल्म विभाजन के पृष्ठभूमि पर बनी थी वहीं यह फिल्म 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार जहां पिछली बार तारा सिंह ने पत्नी सकीना को वापस लाने के लिए सरहद पार की थी, वहीं इस बार वह बेटे की सलामती के लिए युद्ध के बीच में सरहद पार करेगा। फिल्म में तारा के बेटे के किरदार में उत्कर्ष शर्मा नजर आएंगे, जिन्होंने गदर में भी यह भूमिका निभाई थी।

गदरः एक प्रेमकथा एक पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसका निर्देशन अनिल शर्मा ने किया था। फिल्म में सनी, अमीषा और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में दिखे थे। यह फिल्म 1947 में हुए भारत विभाजन की कहानी पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक मुस्लिम लड़की और एक पंजाबी लड़के का प्यार सरहदों से परे जाकर अपनी मंजिल चुनता है।

पुष्पा बनी रूस में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म

2021 में रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की पुष्पाः द राइज ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने कई कीर्तिमान रचे और साल 2021 की सबसे ज्यादा कमाई (करीब 350 करोड़ रुपये) करने वाली फिल्म बन गई। सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। हालांकि, अब फिल्म ने न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ दिए। 8 दिसंबर को रूस में रिलीज हुई पुष्पा ने रिकॉर्ड तोड़ कारोबार किया है। फिल्म ने रूसी बॉक्स ऑफिस पर 25 दिनों में एक करोड़ रूबल (करीब 1.4 करोड़ रुपये) की कमाई की है। ऐसे में यह फिल्म रूस में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म बन गई, जिसने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया। पुष्पा में रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिका में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के सीक्वल की शूटिंग जनवरी के तीसरे हफ्ते में शुरू होगी।

नए साल की खुशहाल और स्वस्थ शुरुआत हुईः अतिदि शर्मा

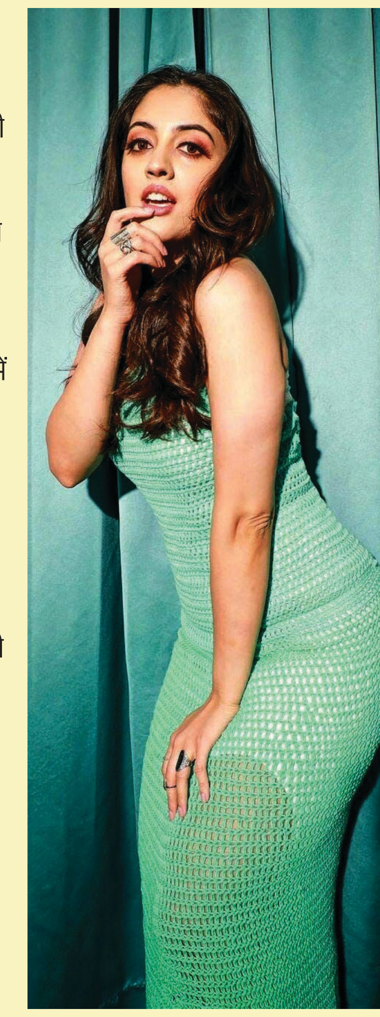

नए साल की खुशहाल और स्वस्थ शुरुआत हुई है। यह पुराने गिले-शिकवों और बुरी यादों को भुलाकर ज़िंदगी में एक नया अध्याय शुरू करने का समय है। साल 2023 से बहुत ज्यादा उम्मीदें बंध गई हैं। रब से है दुआ में दुआ के रोल में नजर आ रहीं अदिति शर्मा ने कहा मुझे अपनी सेहत और फिटनेस के लिए कुछ समय मिला, जो मैं काफी समय से करना चाहती थी, और मैं 2023 में भी इसे जारी रखूंगी। मेरे लिए नए साल का मतलब है अपने परिवार के साथ च ालिटी टाइम बिताना, अच्छा खाना खाना, अपनी सेहत ख्याल रखना और कड़ी मेहनत करना। मीत में मीत हुड्डा की भूमिका निभा रहीं आशी सिंह बताती हैं मीत में लीप आने वाला है जिसमें एक बड़ा रोमांचक सीक्वेंस होगा, इसलिए मैं इस शो की शूटिंग करूंगी और मेरा कोई खास प्लान नहीं है। कुमकुम भाग्य में सिद्धार्थ के रोल में नजर आ रहे कुशाग्र नौटियाल ने कहा इस साल, मैं कोई संकल्प नहीं कर रहा हूं, मैं बस ढेर सारे प्यार और खुशी के साथ इस नए साल का आनंद लेना चाहता हूं। प्यार का पहला नाम राधा मोहन में राधा की भूमिका निभाने वालीं निहारिका रॉय ने कहा, मेरे दिल में इस साल की एक खास अहमियत है, क्योंकि इस साल मुझे राधा का रोल निभाने का मौका मिला और मुझे दर्शकों से भी बहुत प्यार मिला।

वेटलिफ्टिंग करने से पहले जरूर करें ये चार स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

कई लोगों को वेट ट्रेनिंग से पहले स्ट्रेचिंग करना गैर-जरूरी लगता है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। भारी वजन उठाने की वजह से कई बार चोट लग जाती है और दर्द और तनाव जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए मांसपेशियों को गरम करना बहुत जरूरी होता है। आइए आज आपको कुछ ऐसी स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज बताते हैं, जो शरीर को जल्दी गरम करने में कारगर हैं और जिन्हें वेटलिफ्टिंग से पहले जरूर करना चाहिए।

बॉडीवेट स्क्वैट्स एक्सरसाइज

सबसे पहले दोनों पैरों को फैला लें। अब घुटनों को मोड़ते हुए कूल्हों को नीचे करते हुए चेस्ट को ऊपर और सीधा रखें। इस स्थिति में होते वक्त यह सुनिश्चित करें कि आपका वजन एड़ियों पर ही हो। कूल्हों को तब तक नीचे ही रखें जब तक कि जांघें जमीन के बराबर फ्लैट न हो जाएं। अब वापस से सीधे खड़े होने के लिए एड़ी के जरिए खुद को पुश करें। ऐसे ही तीन सेट 10 बार करें।

आर्म सर्कल एक्सरसाइज

सबसे पहले पैरों को एक साथ रखें और हाथों को बगल में सीधा रखकर खड़े हो जाएं। अब हाथों को आगे और ऊपर की ओर उठाएं और फिर कंधों के पीछे से लाते हुए वापस से पहले वाली स्थिति में आ जाएं। आपको हाथों को मोडे बिना उनसे 360 डिग्री का गोल चक्कर लगाना है। इसके लिए दोनों हाथों को एक साथ घुमाएं। कुछ देर बाद इसी तरह से उल्टी दिशा में हाथों को घुमाने की कोशिश करें।

हैमस्ट्रिंग स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज के लिए सबसे पहले एक स्टूल लें और उसके आगे एकदम सीधे खड़े हो जाएं, फिर बाएं पैर की एड़ी को स्टूल के ऊपर रख लें। अब बाएं हाथ को अपने बाएं पैर की उंगलियों तक पहुंचाएं। ऐसा करते वक्त पीठ को सीधा रखने की कोशिश करें और कूल्हों के पीछे हल्का स्ट्रेच महसूस करें। कुछ देर के लिए इसी अवस्था में रहें और फिर सामान्य हो जाएं। दोनों पैरों से 20-30 सेकंड तक इस प्रक्रिया को दोहराएं।

रियर आर्म लॉक एक्सरसाइज

सबसे पहले दोनों पैरों को अलग करके खड़े हों। अब हाथों को पीछे करके अपनी उंगलियों को इंटरलॉक करें और कमर के बल आगे की ओर झुकें। इस स्थिति में करीब 10 से 15 सेकंड तक के लिए रुकें। इससे आपको कंधों पर स्ट्रेच महसूस होगा। अगर खिंचाव के दौरान उंगलियों को एक साथ रखने में परेशानी होती है तो बिना आगे की तरफ झुके इसे करने की कोशिश करें।

गोजी बेरीज को डाइट में करें शामिल मिलेंगे स्वास्थ्य से जुड़े कई लाभ

गोजी बेरीज एक एशियाई फल है, जो आकार में छोटा और लाल रंग का होता है। इस फल को वैज्ञानिक भाषा में लाइसियम बारबेरम के नाम से जाना जाता है। खट्टे-मीठे स्वाद वाला यह फल शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट्स और कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, इसलिए इसे डाइट में शामिल करना लाभदायक हो सकता है। आइए जानते हैं कि सीमित मात्रा में गोजी बेरीज का सेवन करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

इम्युनिटी बढ़ाने में है सहायक

गोजी बेरीज में कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो इम्युनिटी को बढ़ाकर संक्रमण और बीमारियों से शरीर को बचाए रखने में प्रभावी हो सकते हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम, कॉपर और फ्लेवोनोइड्स की अधिक मात्रा मौजूद होती है, जो इसे संक्रमण से लड़ने वाले ऊतकों और कोशिकाओं के उचित विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं। वृद्धों पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार, हर दिन गोजी बेरी का जूस पीने से इम्युनिटी कोशिकाओं के स्तर में वृद्धि हुई।

आंखों के स्वास्थ्य के लिए भी हो सकती है लाभदायक

जेक्सैंथिन नामक एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर गोजी बेरीज आंखों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकती है और मैकुलर डिजनरेशन जैसे आंखों के विकारों से बचाती है। इसके अतिरिक्त जेक्सैंथिन आंखों को फ्री रेडिकल्स, यूवी एक्सपोजर और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से भी बचाता है। ये उम्र से संबंधित आंखों की बीमारियों के जोखिम कम करने में भी सहायक हो सकती हैं।

वजन घटाने में हैं मददगार

अगर आप अपना वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो अपनी डाइट में गोजी बेरीज को जरूर शामिल करें। इसका कारण है कि ये कैलोरी में कम होती हैं, जो इन्हें वजन घटाने के लिए आदर्श बनाते हैं। इसके अतिरिक्त ये कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स, मेटाबॉल्जिम को तेज करने और शर्करा वाले खाद्य पदार्थों की लालसा कम करने में भी मदद कर सकती हैं, जिससे वजन घटाना आसान हो जाता है।

त्वचा के लिए भी हैं लाभदायक

गोजी बेरीज में एंटी-एजिंग गुण होते हैं, जो झुर्रियों को कम करने में मदद कर सकते हैं और कोलेजन को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इन बेरीज में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो मुंहासों को निकलने से रोकते हैं। इनमें मौजूद विटामिन-सी, बीटा-कैरोटीन और अमीनो एसिड हाइपरपिग्मेंटेशन का इलाज करने और चेहरे के रंग को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकते हैं।

हृदय की कार्यप्रणाली में कर सकती हैं सुधार

गोजी बेरीज कई एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं, जो हृदय की कार्यप्रणाली को सुधारने में काफी मदद कर सकते हैं। ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स हाई ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने में भी मदद कर सकते हैं। यही कारण है कि इसे हाइपरटेंशन रोगियों के लिए लाभदायक माना जाता है। इसके अतिरिक्त ये खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में भी मदद कर सकती हैं।

पिंक आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह दिखीं गजब की बला, ग्लैमर ने बरपाया फैंस पर कहर

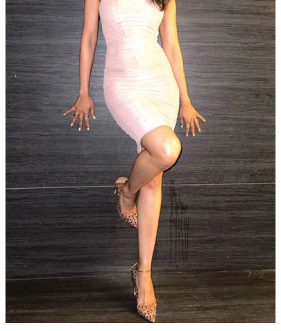

अदाकारा रकुल प्रीत सिंह ने पिंक कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। रकुल प्रीत सिंह की बोल्ड तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। साथ ही वो अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस की तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह फिल्म इंडस्ट्री में अपना जलवा बिखेरे रहती हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर भी रकुल धमाल मचाए रहती हैं। अभिनय के दम पर साउथ इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक नाम कमा चुकी रकुल प्रीत सिंह ने पिंक कलर की ड्रेस में अपनी सुंदर तस्वीरें शेयर की हैं। पिंक कलर के ऑफ शोल्डर ड्रेस में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने कई किलर अंदाज में पोज दिए हैं। जो फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए हुए हैं। रकुल प्रीत सिंह इस आउटफिट में अपनी टोंड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं, उनकी ड्रेस फैंस को काफी पसंद आ रही है। वहीं, एक्ट्रेस रकुल प्रीत लहंगे में भी अपनी तस्वीरें शेयर कर चुकी हैं, फैंस को उनका ये वेडिंग लुक काफी पसंद आ रहा है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल : मार्च-अप्रैल परीक्षा वर्ष 2023 सामान्य शुल्क के साथ प्रवेश की अंतिम तिथि 10 तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर द्वारा आयोजित मार्च–अप्रैल परीक्षा वर्ष 2023 में सम्मिलित होने हेतु प्रवेश की अंतिम 31 दिसम्बर 2022 तक एवं 1 जनवरी से 15 जनवरी 2023 तक 500 रुपए विलम्ब शुल्क के साथ छात्र/छात्रायें परीक्षा आवेदन फर्म जमा करने की तिथि निर्धारित किया गया था। किंतु छात्रहित को ध्यान में रखते हुये दिनांक 10 जनवरी तक सामान्य शुल्क के साथ एवं 11 जनवरी से 15 जनवरी तक विलम्ब शुल्क के साथ प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के अधिकारियों ने बताया कि प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने समीपस्थ अध्ययन केन्द्र में सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है। प्रवेश हेतु आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल की वेबसाईट से डाउनलोड कर सकते है एवं अपने समीयस्थ अध्ययन केन्द्रों में जमा कर सकते है। अध्ययन केन्द्रों की सूची कार्यालयीन वेबसाईट www.sos.cg.nic.in में उपलब्ध है।

स्कूली बच्चों की गुणवत्ता सुधार के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

सूरजपुर। कलेक्टर सु इफ्फ्त आरा के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी सह जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा के तत्वाधान में आज शा. कन्या उ. मा. विद्यालय विश्रामपुर में जिला सूरजपुर के तीन विकासखण्डों (सूरजपुर, रामानुजनगर, प्रेमनगर) के संकुल प्राचार्यों की शाला संकुल व्यवस्था के माध्यम से बच्चों की गुणवत्ता सुधार हेतु कार्यशाला संपन्न हुआ। मिशन एलओसी को सफ्ल बनाने हेतु संकुल प्राचार्यो की भूमिका, संकुल प्राचार्यों की डायरी के महत्वपूर्ण बिदुओं पर मनोज कुमार झा जी ने प्रकाश डाला। कक्षागत प्रक्रियाओं में सुधार कैसे किया जा सकता है, संकुल प्राचार्य संकुल के शिक्षकों से तारतम्य स्थापित करते हुए किस प्रकार मिशन एलओसी को सफ्ल बना सकते हैं इस पर निशा सिंह ने प्रकाश डाला मास्टर ट्रेनर अवधेश कुमार साहू शाला संकुल व्यवस्था के तहत संकुल प्राचार्यों को मूलभूत जानकारी एवं संकुल समन्वय की बदली हुई भूमिका पर प्रकाश डाला गया बजट प्रावधानों पर भी चर्चा की गई इंडलाइन परीक्षाओं के सुचारू संचालन की आवश्यक तैयारी हेतु निर्देशित किया गया एएलएम एक्टिव लर्निंग मेटोलॉजी पर चर्चा का आयोजन हुआ टीम टीचिंग, कम्यूनिटी लर्निंग कक्षागत प्रक्रिया में सुधार हेतु छात्रों को किस प्रकार रचनात्मक एवं योगात्मक शिक्षण की ओर बढ़ाया जा सकता है, यह चर्चा का मुख्य बिंदु रहा। संकुल प्राचार्य किस प्रकार अपने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर ढंग से उपयोग कर सकते हैं, रिकॉर्ड को अद्यतन रखने की जानकारी भी साझा की गई।

एमएनसी के उत्पादों को भी दे रहीं टक्कर, सीएम के निर्देश पर सरकारी भवनों में हो रही पुताई

छत्तीसगढ़ी पेंट के आगे मल्टी नेशनल रंग पड़े फीके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गांवों में लिपाई–पुताई के काम आने वाले गोबर से अब इमल्शन और डिस्टेंपर पेंट तैयार किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ की महिलाओं का बनाया गया पेंट मल्टी नेशनल कंपनियों को टक्कर दे रहा है। पेंट निर्माण में मल्टी नेशनल कंपनियों के एकाधिकार को गांवों की महिलाएं तोड़ रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे इस उच्च गुणवत्ता के पेंट को देखते हुए सभी शासकीय भवनों की पुताई कराने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा इसके लिए एसओआर भी जारी कर दिया गया है।

राजधानी रायपुर के जरवाय गौठान, दुर्ग जिले के गांव लिटिया और कांकेर के सराधुननवागांव में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने का का शुरू किया गया है। पेंट निर्माण में अमूमन मल्टी नेशनल कंपनियां ही काबिज थीं लेकिन अब ग्रामीण महिलाएं भी इस क्षेत्र में मजबूती से कदम रख चुकी हैं। गोबर से बनने वाला प्राकृतिक पेंट बिल्कुल मल्टी नेशनल कंपनियों के द्वारा तैयार किए गए पेंट जैसा है। इसकी गुणवत्ता उच्च स्तरीय है, यह पेंट एंटी बैक्टीरिया और एंटीफंगल होता है। गोबर से पेंट और वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर महिलाएं महात्मा गांधी जी के आत्मनिर्भर गांव की कल्पना को साकार कर रही हैं। इससे गांव के लोगों को रोजगार के साथ ही उनकी तरक्की के लिए नए–नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। जरवाय गौठान में डिस्टेंपर, इमल्शन पेंट के साथ ही पुट्टी का भी निर्माण हो रहा है। इसकी बिक्री राजधानी रायपुर के सीजी मार्ट में की जा रही है। इसे जल्द ही विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफर्म पर भी उपलब्ध कराने की योजना है। यह पेंट मल्टी नेशनल कंपनी के पेंट की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत सस्ता होने के साथ ही यह पर्यावरण के अनुकूल भी है। गोबर से बने इस पेंट की कीमत बाजार में उपलब्ध प्रीमियम क्वालिटी के पेंट की तुलना में 30 से 40 फीसदी कम है। इमल्शन पेंट की कीमत 225 रूपए प्रति लीटर है। यह 1,2,4 और 10 लीटर के पैकेज में तैयार किया जा रहा है। साथ ही यह बड़ी कम्पनियों के पेंट की तरह करीब 4 हजार रंगों में भी उपलब्ध है। साथ ही पुट्टी डिस्टेंपर भी तैयार किया जा रहा है।

गोबर से मिले उक्त स्लरी को पेंट बनाने के अगले चरण में बेस की तरह इस्तेमाल किया जाता है, बाद इसके बाद इसे अन्य सामग्रियों पीगमेंट, स्क्सटेंडर, ब्लाइंडर, फ्लिर के साथ मिलाकर हाई स्पीड डिस प्रेशर मशीन में 3 से 4 घंटे तक अलग अलग आरपीएम में मिलाया जाता है इसके पश्चात प्राकृतिक पेंट बनकर तैयार हो जाता है। यह अच्छी पैकेजिंग की पश्चात बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध हो जाती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य के 75 गौठानों में गोबर से प्राकृतिक पेंट एवं पुट्टी निर्माण की इकाईयां तेजी से स्थापित की जा रही है। इन इकाईयों के पूर्ण होने पर प्रतिदिन 50 लीटर तथा साल भर में 37 लाख 50 लीटर प्राकृतिक पेंट का उत्पादन होगा।

रायपुर, दुर्ग और कांकेर के यूनिट में निर्माण शुरू

यह राजधानी के जरवाय गौठान गोवर्धन क्षेत्र स्तरीय महिला स्व सहायता समूह द्वारा लक्ष्मी ऑर्गेनिक संस्थान के सहयोग से बनाई जा रही है। इस समय इस गौठान में स्थापित यूनिट द्वारा प्रतिदिन 2 हजार लीटर इमल्शन पेंट बनाने की क्षमता है। जिसे भविष्य में मांग अनुरूप 5 हजार लीटर तक वृद्धि की जा रही है। यहां पर पुट्टी और डिस्टेंपर भी बनाई जा रही है। इस पेंट से राजधानी के नगर निगम मुख्यालय की इमारत जोन क्रमांक 8 की इमारत में पोताई की गई है। वहीं दुर्ग जिले के ग्राम लिटिया की ग्रामीण बहनें गांव में ही डिस्टेंपर निर्माण कर रही हैं। डिस्टेंपर यूनिट की निर्माण क्षमता हर दिन हजार लीटर तक की है। उन्होंने इसका विक्रय भी आरंभ कर दिया है। कांकेर जिले के चारामा विकासखण्ड के ग्राम सराधुननवागांव के गौठान में सागर महिला क्लस्टर समूह द्वारा गोबर से पेंट का निर्माण किया जा रहा है, जिससे महिला स्व–सहायता समूह को आमदनी भी हुई है। इस गौठान में अब तक 1400 लीटर पेंट का निर्माण किया जाकर 373 लीटर पेंट का विक्रय भी किया जा चुका है, जिससे स्व–सहायता समूह की महिलाओं को 75 हजार 525 रूपये की आमदनी हुई है।

राष्ट्रीय स्तर की संस्था से प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण

यह पेंट भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय प्रशिक्षण शाला के द्वारा प्रमाणित भी किया गया है। साथ ही इसके इसके विभिन्न प्रकार के गुण है यह एन्टी बैक्टीरिया, एंटीफंगल, इको–फ्रेंडली, नॉन टॉक्सिक है। यह भी वैज्ञानिक संस्थान द्वारा प्रमाणित है। इस प्राकृतिक पेंट में हैवी मटेरियल का उपयोग नही किया गया है और यह नेचुरल थर्मल इन्सुलेटर है अर्थात् इसमें चार से पांच डिग्री तापमान करने की क्षमता भी है।

गोबर से पेंट बनाने की प्रक्रिया

विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह विधि दो दिन पुराने गोबर से होती है सबसे पहले गोबर को एक मिक्सिंग टैंक में डाला जाता है और उसमें बराबर मात्रा में पानी डाला जाता है पानी डालने के बाद मिक्सिंग टैंक में एजिटेटर लगा होता है यह एजिटेटर तब तक चलाते हैं जब तक गाय का गोबर बिल्कुल पेस्ट के समान ना हो जाए। इस पेस्ट को पंप के माध्यम से आगे टीडीआर मशीन में भेजा जाता है, जहां पर यह बिल्कुल बारीक पीसकर आगे ब्लीचिंग टैंक में भेजा जाता है। यहां इसे 100 डिग्री तक गर्म किया जाता है।

ई–कॉमर्स एवं रिटेल पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में जारी दस्तावेज

सेव इंडिया-सेव ट्रेड फोरम का बड़े स्तर पर किया गया गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि आज नई दिल्ली में ई–कॉमर्स पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सहित ट्रांसपोर्ट, लघु उद्योग, होटल और रेस्तरां, ट्रेवल, मोबाइल, एफ्एमसीजी, खिलौने, इलेक्ट्रॉनिक्स, हॉकर्स, डायरेक्ट सेलिंग, कंप्यूटर मीडिया, ज्वैलर्स और अन्य वर्गों के राष्ट्रीय संगठनों ने एकजुट होकर विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों पर न केवल ई–कॉमर्स बल्कि भारत के रिटेल व्यापार को भी विकृत करने के लिए बड़ा हल्ला बोलते हुए एक स्टेकहोल्डर्स ई–कॉमर्स दिल्ली डिक्लेरेशन जारी किया जिसमें 5 सूत्र घोषित करते हुए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों से घरेलू व्यापारियों को विदेशी कंपनियों के शातिर चंगुल से बचाने की जोरदार मांग की गई।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने वाले संगठनों ने एक भारत बचाओ–व्यापार बचाओ मंच का गठन किया है जो देश भर में फैले फेडरेशन, एसोसिएशन, चैम्बर एवं अन्य प्रमुख संगठनों से संपर्क कर अपने चार्टर के लिए समर्थन जुटाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया की ई–कॉमर्स और देश के घरेलू व्यापार के मुद्दे पर अब चुप नहीं बैठ जाएगा और जब तक सरकारें हमारे 5 सूत्र को अमली जामा नहीं पहनाती हैं तब तक देश भर में एक बड़ा आंदोलन जारी रहेगा। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने बताया कि विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों द्वारा लगातार नीति एवं नियमों के खिलाफ व्यापार करने हेतु कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए ऑफ्लाइन व्यापार के नेताओं ने केंद्र सरकार से देश के रिटेल व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए ई–कॉमर्स नीति और राष्ट्रीय रिटेल व्यापार नीति को तुरंत लागू करने की जोरदार मांग की। सम्मेलन में शामिल नेताओं ने एक स्वर से कहा की दुनिया भर में इन विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों को अभ्यस्त अपराधियों के रूप में जाना जाता है।

जिन्हे विभिन्न देशों ने उनकी कुटिल नीति के कारण दंडित भी किया हुआ है लेकिन यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इन कंपनियों को खुली छूट प्राप्त है। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने आगे बताया कि सम्मेलन में शामिल नेताओं ने सर्वसम्मति से एक 5 सूत्रीय ई–कॉमर्स चार्टर जारी करते हुए इसे दिल्ली घोषणा चार्टर का नाम दिया जिसमें अविलम्ब एक ई–कॉमर्स नीति घोषित करने की मांग की गई जिसमें अनिवार्य रूप से ट्राई, सेबी और इरडा आदि के समान एक सशक्त रेगुलेटरी अथॉरिटी के गठन का प्रावधान होना चाहिए।

रिटेल व्यापार के लिए एक राष्ट्रीय व्यापार नीति की तुरंत घोषणा की जानी चाहिए क्योंकि ई–कॉमर्स का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रिटेल व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत ई–कॉमर्स नियम तत्काल जारी किए जाएं। एफ्डीआई नीति के प्रेस नोट 2 के स्थान पर एक नया प्रेस नोट भी तुरंत जारी किया जाएं। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने बताया कि सम्मेलन में ई–कॉमर्स के मुद्दे पर व्यापक चर्चा में यह निर्णय किया गया की ई–कॉमर्स पॉलिसी में अनिवार्य रूप से कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों को अवश्य शामिल किया जाए जिसमें विदेशी या भारतीय ई पोर्टल पर उससे संबंधित कंपनियां पंजीकृत नहीं होनी चाहिए। ई–पोर्टल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी विक्रेता की इन्वेंट्री को नियंत्रित नहीं करेगी।

पोषण बाड़ी योजना बना मथुरा बाई के आमदनी का जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरूवा, बाड़ी पुष्पित एवं पल्लवित होने लगी है। ग्रामीण महिलाएं शासन की पोषण बाड़ी योजना अंतर्गत अपनी बाड़ी में सब्जियों की पैदावारी लेकर घर की आमदनी बढ़ाने में सफ्ल हो रही है। इन्ही महिलाओं में से ग्राम परियाबाहरा की मथुरा बाई भी है। जिन्होंने अपनी बाड़ी में सब्जी उत्पादन कर प्रतिमाह 5 से 10 हजार रूपये आमदनी अर्जित करने में सफ्लता पाई है।

मथुरा बाई ने बताया कि पहने वह अपने पारंपरिक कार्य जंगल इत्यादि से वनोपज इकटठा करने व मजदूरी का कार्य करती थी। इससे परिवार का भरण–पोषण सही ढंग से नहीं हो पा रही थी। उन्होंने अपने बाड़ी में सब्जियों की खेती करने के विचार से उद्यानिकी विभाग द्वारा गांव में बाड़ी विकास के लिए कराये जा रहे सर्वे में अपना नाम दर्ज करवाया। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने पोषण बाड़ी योजना अंतर्गत मथुरा बाई को सब्जियों के बीज, सब्जियों का थरहा, वर्मी कम्पोस्ट और मनरेगा के फ्लदार पौधे रोपण हेतु उपलब्ध कराये गये। मथुरा बाई ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में अपने 0.300 रकबा के बाड़ी में आज अपने मेहनत और लगन से लाल भाजी, टमाटर, मूली, बैगन, करेला, मुनगा सब्जियों का उत्पादन कर रही है।

बाड़ी में उत्पादित सब्जियों को स्थानीय बाजार में विक्रय कर 5–10 हजार रूपये का लाभ अर्जित कर रही है। बाड़ी योजना अब मथुरा बाई के परिवार के लिए सब्जी की उपलब्धता के अलावा आर्थिक आमदनी का जरिया बन गया है। अब परिवार के सदस्यों के लिए अपने बाड़ी में ही काम मिल गया है।

‘मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना’

हितग्राही को प्रति वर्ष प्रति एकड़ 15 से 50 हजार रुपए तक होगी आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के निर्देशानुसार ‘मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना’ के कुशल क्रियान्वयन के संबंध में आज वनमंडलाधिकारी श्री विश्वेष झा द्वारा वन मंडल रायपुर के विभागीय अधिकारियों की बैठक ली गई। इस संबंध में आयोजित कार्यशाला में कृषकों को स्वयं की भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण कर योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

गौरतलब है कि कृषकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से हाल ही में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना को वित्तीय वर्ष 2023–24 से लागू करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। ‘मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना‘ में भाग लेने हेतु इच्छुक कृषक अथवा संस्था अपने क्षेत्र के वन परिक्षेत्र अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क कर आगामी वर्ष में रोपण हेतु आवश्यक पौधों की जानकारी सहमति पत्र के साथ दे सकते हैं। इस योजना में कृषकों के निजी भूमि में प्रतिवर्ष 36 हजार एकड़ के मान से पांच वर्षों में एक लाख 80 हजार एकड़ वाणिज्यिक वृक्ष प्रजातियों (क्लोनल नीलगिरी, टिशू कल्चर बांस, टिशू कल्चर सागौन, मिलिया डूबिया एवं अन्य आर्थिक लाभकारी प्रजाति) का रोपण किया जाएगा। समस्त वर्ग के सभी इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय, अर्ध–शासकीय एवं शासन के स्वायत्त संस्थाएं, निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, गैर शासकीय संस्थाएं, पंचायतें तथा भूमि अनुबंध धारक जो अपने भूमि में रोपण करना चाहते है, इस योजना के हितग्राही होंगे।

‘मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना‘ के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को 5 एकड़ तक भूमि पर (अधिकतम 5000 पौधे) पौधों का रोपण हेतु 100 प्रतिशत तथा 05 एकड़ से अधिक भूमि पर रोपण हेतु 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान दिया जाएगा। इस योजना में सहयोगी संस्था अथवा निजी कम्पनियों के सहभागिता का प्रस्ताव है। उनके द्वारा वित्तीय सहभागिता के साथ शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर हितग्राहियों के वृक्षों की वापस खरीद का प्रस्ताव भी दिया गया है। सहयोगी संस्था अथवा निजी कम्पनियों की सहभागिता से कृषकों को उनके उत्पाद के लिए सुनिश्चित बाजार उपलब्ध होगी तथा शासन पर वित्तीय भार भी कम होगा। टिशू कल्चर सागौन, टिशू कल्चर बांस एवं मिलिया डूबिया वृक्षों के परिपक्व होने के पश्चात् निर्धारित समर्थन मूल्य पर शासन द्वारा क्रय किया जाएगा। बैठक में वन मंडल रायपुर के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी, कृषक, वन प्रबंधन समितियां तथा औद्योगिक संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एसजेवीएन द्वारा हिमाचल प्रदेश में 382 मेगावाट सुन्नी बांध जल विद्युत परियोजना के लिए निवेश को स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2614.51 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा हिमाचल प्रदेश में 382 मेगावाट सुन्नी बांध जल विद्युत परियोजना को स्वीकृति दे दी है।

इसमें बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार की बजटीय सहायता के रूप में 13.80 करोड़ रुपये के निवेश को भी स्वीकृति दी गई है। जनवरी, 2022 तक कुल 246 करोड़ रुपये के संचयी व्यय के लिए कार्योत्तर स्वीकृति भी दी गई है। 2,614 करोड़ रुपये की इस परियोजना लागत में 2246.40 करोड़ रुपये की वास्तविक लागत, निर्माण के दौरान ब्याज (आईडीसी) के तौर पर 358.96 करोड़ रुपये और वित्तपोषण शुल्क (एफ्सी) के रूप में 9.15 करोड़ रुपये शामिल हैं। मात्रा परिवर्तन (जोड़ने/बदलाव/अतिरिक्त मदों सहित) के कारण लागत भिन्नताओं के लिए संशोधित लागत स्वीकृतियां और निर्माणकर्ता के लिए देय समय सीमा स्वीकृत लागत के 10 प्रतिशत तक सीमित होगी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के लक्ष्यों और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, एसजेवीएन द्वारा 382 मेगावाट सुन्नी बांध एचईपी की स्थापना के लिए वर्तमान प्रस्ताव स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं/स्थानीय उद्यमों/एमएसएमई को विभिन्न लाभ प्रदान करेगा और रोजगार को बढ़ावा देने के अलावा देश के भीतर उद्यमशीलता के अवसरों को प्रोत्साहित करते हुए क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक विकास को सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना के कार्यान्वयन से इसके निर्माण की चरम अवस्था के दौरान लगभग 4000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन होगा।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नाबालिग से रेप करने वाला फरार हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

रायपुर (ए)। पुलिस ने नाबालिग लड़की से पिछले एक साल से लगातार दुष्कर्म करने वाले हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार करने में सफलता पायी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान प्रदीप बोपाराय के रूप में हुई है जो आमानाका थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के पिता ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि आरोपी उसकी नाबालिग बेटी को विगत 1 वर्ष से आमानाका स्थित एक लॉज में ले जाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की खोजबीन शुरू की। पुलिस ने कहा कि आरोपी घटना के बाद से लगातार पिछले छः महीने से फरार चल रहा था। इसी दौरान पुलिस को आरोपी के आमानाका में होने की जानकारी प्राप्त मिली जिसके बाद पुलिस ने बोपाराय को गिरफ्तार करने में सफलता किया।

11वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

कोरबा (ए)। जिले के बालको थानाक्षेत्र में एक स्कूली छात्रा ने स्कूल से लौटते ही अपने घर पर फांसी लगाकर कर जान दे दी। मृत छात्रा का नाम राधिका राठौर था जो 11वीं की छात्रा थी। सूचना पर मौके पर पहुंची बालको पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेजा है वहीं छात्रा की मौत से परिवार में मातम का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार बालको थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 40 नेहरू नगर मुक्तिधाम के पास रहने वाले धनेश्वर राठौर की बड़ी बेटी राधिका राठौर 11वीं की छात्रा ने बुधवार को स्कूल से लौटने के तुरंत बाद अपने घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। राधिका बालको स्थित एमजीएम स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। रोज की तरह बुधवार दोपहर को स्कूल से वापस लौटने के बाद राधिका सीधे अपने कमरे में चली गई। कुछ देर बाद ही उसका भाई निखिल जब उसे कमरे में देखने गया तो वह चुनरी से फांसी के फंदे पर पंखे पर लटकी हुई थी। इसकी जानकारी उसने अपने माता पिता को दी। आनन फानन उसे तत्काल फांसी के फंदे से नीचे उतार कर बालकों की स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने बालको प्रबंधन को इसकी सूचना दी। जहां पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक के परिजनों का बयान दर्ज किया है।

गोलीकांडः पेट्रोल पंप में फायरिंग करने वाले बदमाशों पर 5 हजार का इनाम

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में पेट्रोल पंप में गोली चलाने वाले बदमाशों की पुलिस अब तक पहचान तक नहीं कर पाई है। नाकाम पुलिस ने आरोपियों की जानकारी देने वालों के लिए पांच हजार रुपए इनाम की घोषणा की है। वहीं, एसएसपी पारुल माथुर ने आरोपियों की तलाश के लिए 15 सदस्यीय टीम बनाई है। कोटा थाना क्षेत्र के लोरमी रोड स्थित पेट्रोल पंप में तीन नकाबपोश बदमाशों ने कट्टे से फायरिंग कर लूट की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया था।

मंगलवार की रात लखोदना और चंगोरी के बीच पुष्कर पेट्रोल पंप में लूट की वारदात को अंजाम देने बाइक सवार तीन नकाबपोश युवक पहुंचे थे। इस दौरान हड़बड़ी में एक युवक ने हाथ में रखे कट्टे से जमीन में फायरिंग कर दिया, जिसके बाद पेट्रोल पंप कर्मी दहशत में आ गए। युवक ने कट्टे से दूसरी गोली लोड करने का प्रयास किया। लेकिन, दूसरा राउंड लोड नहीं कर सका। इस बीच पकड़े जाने के डर से युवक बाइक लेकर फरार हो गए।

एसएसपी पहुंची गांव, पुलिस अफसरों को दिए दिशानिर्देश

इधर, इस घटना के दूसरे दिन एसएसपी पारुल माथुर घटनास्थल पहुंची, जहां उन्होंने पेट्रोल पंप कर्मियों से पूछताछ की। इसके साथ ही उन्होंने सीसीटीवी फुटेज दिखाकर आसपास के ग्रामीणों से जानकारी लेने के निर्देश दिए। उन्होंने बदमाशों की तलाश के लिए एएसपी राहुल देव शर्मा के नेतृत्व में 15 सदस्यी टीम का गठन भी किया है। टीम में एसडीओपी आशीष अरोरा, कोटा थाना प्रभारी दिनेश चंद्रा, एसीसीयू के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र वैष्णव, एसआइ यूएन शांत कुमार साहू, अजय वारे, प्रभाकर तिवारी, प्रधान आरक्षक नीलाकर सेठ, बलबीर सिंह, आरक्षक निखिल जाधव, दीपक यादव, गोविंद शर्मा, विरेंद्र गंधर्व, रवि श्रीवास, मिथलेश सोनवानी, दीप कंवर शामिल है।

पहचान बताने वाले को इनाम की घोषणा

पेट्रोल पंप में लूट के प्रयास के मामले में पुलिस और साइबर सेल की टीम आरोपित की तलाश कर रही है। वहीं, इस मामले में एसएसपी पारुल माथुर ने बदमाशों की सूचना देने वालों के लिए पांच हजार रुपए इनाम की घोषणा भी की है। उन्होंने बताया कि बदमाशों की सूचना देने वालों का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

आपसी विवाद के बाद पत्नी चली गई थी मायके, नाराज पति ने लगा ली फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में पत्नी के मायके जाने से नाराज पति ने फांसी लगाकार आत्महत्या कर ली। रात में पत्नी से विवाद हुआ तो उसका भाई उसे लेकर चला गया। दूसरे दिन पति की फंदे में लटकी मिली। मामला जिले पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम धुर्वाकारी निवासी नीतिश भारद्वाज (30) खेती किसानी करता था। बताया जाता है कि वह शराब पीने का आदी था और इसकी वजह से आए दिन उसकी पत्नी से विवाद होता था। उसके दो बच्चे भी हैं। पचपेड़ी पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात को भी उसका पत्नी के साथ विवाद हुआ था। विवाद बढ़ा तो पत्नी ने अपने भाई को बुलवा लिया और बच्चों को लेकर मायके चली गई।

पत्नी के इस तरह मायके जाने से नीतिश काफी नाराज हुआ। इसकी वजह से वह काफी परेशान हुआ। दूसरे दिन बुधवार को सुबह उसके घर का दरवाजा नहीं खुला। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने से पड़ोसियों ने आवाज लगाई इसके बाद दरवाजा नहीं खुला। इस दौरान एक पड़ोसी ने पीछे के रास्ते से जाकर देखा तो नीतिश फांसी पर लटक रहा था। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाया और पीएम के लिए भेजा।

दुर्ग में सॉफ्चेयर इंजीनियर के घर लाखों की चोरी

नगदी सहित लैपटॉप, आईपैड ओर हार्डडिस्क तक ले गए चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के वार्ड क्रमांक 11 बुद्ध कुटीर रोड शंकर नगर में रहने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर चोरी हो गई। इंजीनियर अपने परिवार के साथ 29 दिसंबर को इंदौर गया था और 4 जनवरी को वापस लौटा। इसबीच चोरों ने घर में धावा बोला ओर अलमारी से नगदी, सोने के जेवर सहित लैपटॉप, आईपैड व हार्डडिस्क तक चुरा ले गए। इस मामले में इंजीनियर ने मोहन नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार शिकायत कर्ता के उदय शंकर नगर गली नंबर 04 वार्ड नंबर 11 बुद्ध कुटीर रोड में रहता है। वह पुणे स्थित हिताची कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के पर कार्यरत है। 29 दिसंबर 2022 को घर में ताला बंद कर इंदौर गए और उसके बाद 4 जनवरी 2023 को सुबह 10 वापस आए। यहां पहुंचकर देखा तो ताला टूटा हुआ था। घर अंदर बेडरूम देखा तो अलमारी खुली हुई थी और सारा सामान बिखरा पडा था।

जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे पुरानी इस्तेमाली सोने की अंगुठी, एक जोडी कान की बाली, 1 लिनेवो कंपनी का

लैपटाप, एप्पल कंपनी का आई पैड, सीगेट कंपनी के दो हार्ड डिस्क, एक तोशीबा कंपनी का हार्ड डिस्क, एक TRAN-SCEND कंपनी का हार्ड डिस्क , दो एप्पल के हैडफोन, जैब्रा कंपनी व बोट कंपनी का एक-एक हेडफोन, फाईल में रखे कार क्रमांक KA 03 NB 7761 कर्नाटका का आरटीओ एनओसी, आरसी बुक व एमसीए, बीकाम, कक्षा 08 वीं, 10 वीं एवं 12 वीं का अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र की मूल कापी के साथ नगदी रकम 20,000 रुपए गायब मिले। प्रार्थी ने सभी गजैट्स ब्रांडेड कंपनी के हैं और काफी महंगे हैं। जिनकी बाजार में लाखों की कीमत है। प्रार्थी की शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रिंटर की याचिका हाईकोर्ट में ख़ारिज, पाठ्य पुस्तक निगम ने दी थी नोटिस

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम ने कार्यादेश जारी होने के बाद समय पर पाठ्य पुस्तकें नहीं छापने और पाठ्य पुस्तकें सप्लाई प्रभावित होने के मामले में एक बार फिर दो प्रिंटरों को नोटिस भेजकर सुरक्षा निधि एवं शेष जमा राशियों को क्षतिपूर्ति के रूप में वसूलने की चेतावनी दी है। नोटिस के खिलाफ एक प्रिंटर ने हाईकोर्ट में याचिका भी लगाई थी, जो बुधवार को खारिज हो गई।

वर्ष 2020-2 में स्कूली बच्चों को वितरित की जाने वाली पाठ्य पुस्तकों के मुद्रण के लिए टेंडर के पश्चात एल- आने पर शारदा प्रिंटर एवं टेक्नो प्रिंट्स के साथ पाठ्य पुस्तक निगम ने अनुबंध किया था।

टेक्नो प्रिंट्स को 267.496 मी. टन का मुद्रण कार्य आवंटित किया गया था किन्तु समय पर पुस्तकों के मुद्रण का कार्य नहीं किया जा सका। ऐसे में पापुनि द्वारा अन्य मुद्रकों को आवंटित कर मुद्रण कराया गया। निगम के अनुसार समय पर कार्य नहीं होने से दूसरों को कार्य देने पर पुस्तक मुद्रण में देरी हुई और सप्लाई भी प्रभावित हुई। इस मामले में निगम ने पूर्व में नोटिस जारी कर ब्लैकलिस्टेड किया था। कोर्ट से राहत मिलने के बाद इस बार फिर निगम ने दोनों प्रिंटों को नोटिस जारी कर 2 सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। निगम ने सुरक्षा निधि एवं शेष जमा राशियों को क्षतिपूर्ति के रूप में बसूल करने की भी चेतावनी दी है।

दूसरी ओर, नोटिस के खिलाफ शारदा प्रिंटर की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जो सुनवाई के बाद आज खारिज हो गई। कोर्ट ने याचिका को हस्तक्षेप योग्य नहीं मानते हुए अपनी बात निगम के समक्ष रखने की बात कही। इस मामले में पाठ्य पुस्तक निगम की ओर से अनिमेश तिवारी और अरजीत तिवारी ने पैरवी की। पापुनि द्वारा पूर्व में की गई ब्लैकलिस्टेड की कार्रवाई पर दोनों प्रिंटरों को कोर्ट से राहत मिली थी। प्रिंटर संचालक सुप्रीम कोर्ट तक गए थे।

85 बल्क लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब व 1500 किलो लाहन जब्त

गरियाबंद (ए)। जिले के आबकारी अमला की ओर से छापामारी कार्यवाही कर 85 बल्क लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब व 1500 कि.ग्रा. लाहन जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंटोरा निवासी तोमेश्वर पिता सुध्दुराम और मिलन सोरी पिता आंनद राम मकान से लगे बाड़ी की तलाशी ली जाने पर आरोपी के कब्जे से 20-20 बल्क लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब बरामद कर आरोपी के विरूध्द आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 59 (क) के तहत कार्यवाही की गई।

इसी प्रकार पंटोरा के जंगल (डोंगरी पहाड़ के नीचे) से 45 बल्क लीटर हाथ भटठी कच्ची महुआ शराब व 1500 कि.ग्रा लाहन, चार चढ़ी बट्ठी एवं महुआ शराब निर्माण सामग्री बरामद कर अज्ञात व्यक्ति के विरूध्द प्रकरण पंजीबध्द कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। उक्त दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में 13 जनवरी 2023 तक जेल भेजा गया है। छापामारी के कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी टेक बहादुर कुर्रे, आबकारी उपनिरीक्षक विजयेन्द्र कुमार व आबकारी आरक्षक रविन्द्र कुमार चौधरी, पीताम्बर चौधरी, सैनिक पद्मन साहू, मिथलेश सिन्हा, महिला सैनिक हेमबाई साहू, कामिनी सोनी, शैलेन्द्र कुमार कश्यप, गोवर्धन सिन्हा और कुलेश्वर निषाद का योगदान रहा।

टिकट दलालों पर रेलवे ने दिखाई सख्ती, एक साल में पकड़ाए 96 दलाल, 28 लाख से ज्यादा की रिकवरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा साल 2022 में टिकट दलालों पर सख्ती बरती गई। सालभर में रेलवे द्वारा 96 टिकट दलालों को पकड़ा गया। इनके पास से 28 लाख 86 हजार 68 रुपए रुपए के 2825 यात्रा टिकटों को जब्त किया गया। हाल ही में रेसुबल पोस्ट मनेन्द्रगढ द्वारा खोंगापानी चिरमिरी के सुविधा सर्विस नामक दुकान के संचालक सुजीत कुमार को अवैध टिकटों के व्यापार करते पकड़ा और 143 के तहत कार्रवाई की गई।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को टिकट काउण्टरों में लगने वाली कतारों से निजात दिलाने, शीघ्र टिकट उपलव्ध कराने एवं कैशलेस प्रणाली को बढावा देने, आईआरसीटीसी के माध्यम से घर बैठे पर्सनल आईडी से स्वयं की आरक्षित यात्रा टिकट बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है । इस सुविधा को लाभ में बदलने के लिए कुछ लोगों द्वारा विशेषकर त्यौहारी सीजन, समर वेकेशन के दौरान अपने पर्सनल आईडी से रेल यात्रा टिकट बनाकर अधिक मूल्य बेचे जाने की शिकायतें मिली रही थी। अवैध व्यापार करने वाले टिकट दलालों पर नकेल कसने महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त के मार्गदर्शन में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में बिलासपुर मंडल के सभी आरपीएफ पोस्ट प्रभारियों द्वारा नियमित रूप से अभियान चलाकर अवैध टिकट दलालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एवं रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

एसएमएस 2 के हाई स्पीड कास्टर नंबर 6 ने 44 हीट्स बनाकर दर्ज किया एक और रिकॉर्ड

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का स्टील मेल्टिंग शॉप-2 ने एक बार फिर उत्पादन का एक नया कीर्तिमान बनाने में सफल रहा। एसएमएस-2 के हाई स्पीड कास्टर नंबर 6 ने एक बार फिर 04 जनवरी 2023 को सिंगल सीक्वेंस में 44 हीट्स का नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि इस टंडिश के जीवनकाल की गारंटी 17 हीट्स की है। 01 जनवरी 2022 को हासिल किए गए 42 हीट्स के पिछले सर्वश्रेष्ठ को पार करते हुए यह नया कीर्तिमान दर्ज किया। दिसम्बर 2022 में एसएमएस-2 ने कास्टर-6 से लगातार कीर्तिमान स्थापित करते हुए नए साल के प्रारंभ में भी अपना इस निष्पादन गति को जारी रखे हुए है। कास्टर 6 टीम द्वारा उच्च स्तर की परिचालन दक्षता के माध्यम से कुल कास्टर रनिंग टाइम 28 घंटे लगातार चलाकर एक रिकॉर्ड प्रदर्शन करने में सफल रहा है। बीएसपी के उच्च प्रबंधन सहित मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) एस के घोषाल और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम को बधाई दी।

कार्मिकों के लिए संकट मोचन का काम करती हैं सोसाइटी:गद्रे

भिलाई। बीएसपी कर्मियों की सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 की रिसाली शाखा के कार्यालय का उद्घाटन 3 जनवरी की शाम बीएसपी के कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) एम.एम.गद्रे ने किया। बीएसपी प्रबंधन द्वारा आवंटित ब्लॉक 254/ए,रिसाली सेक्टर में इस नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह में सोसायटी के समस्त पदाधिकारियों के अलावा गणमान्य नागरिक मौजूद थे। शुरुआत में अपने स्वागत भाषण में सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने बीएसपी प्रबंधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले रिसाली स्थित संस्था कार्यालय बहुत तंग जगह पर था,सदस्यगण बराबर इसे बदलने की मांग करते आ रहे थे। ऐसे में तत्कालीन कार्यपालक निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन के.के.सिंह के सहयोग से संस्था को यह आवास आवंटित हुआ है।

ब्लास्ट फर्नेस-8 में डिफेंसिव ड्राइविंग ट्रेनिंग का किया आयोजन

भिलाई। संयंत्र के अंदर रोड सेफ्टी के मानकों का बेहतर ढंग से अनुपालन करने के लिए और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बिहेवियरल इंटरवेंशन क्रॉस फंक्शनल टीम ने संयंत्र परिसर में सर्वप्रथम डिफेंसिव ड्राइविंग टेअनिंग सत्र का आयोजन किया। 04 जनवरी 2023 को भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-8 के एडमिन बिल्डिंग में इसका आयोजन किया गया। इसमें आयरन जोन के विभाग ब्लास्ट फर्नेसेस, सिंटर प्लांट-2 व 3, एलडीसीपी 2, एलडीसीपी 3 तथा ओएचपी के कुल 21 प्रतिभागियों को एक दिवसीय प्रषिक्षण दिया गया। इस अवसर पर बिहेवियरल इंटरवेंशन क्रॉस फंक्शनल टीम के अध्यक्ष तथा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता ने प्रतिभागियों को संयंत्र में सुरक्षा का अनुपालन करने और अपने सहकर्मियों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक सौम्य तोकदार, मुख्य महाप्रबंधक सुषांत कुमार घोषाल, मुख्य महाप्रबंधक संजय धर, मुख्य महाप्रबंधक डी एल मोइत्रा, महाप्रबंधक सुश्री बोन्या मुखर्जी, महाप्रबंधक राजीव सोनटके उपस्थित थे।

एस्ट्रोनॉमी लैब का शुभारंभः अब उठेगा ब्रह्मांड के रहस्यों से पर्दा, बच्चें होंगे खगोलीय घटनाओं से रुबरु

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सेक्टर 6 स्थित आत्मानंद स्कूल में आज एस्ट्रोनॉमी लैब का शुभारंभ भिलाई के महापौर नीरज पाल ने किया। इस दौरान निगम आयुक्त रोहित व्यास विशेष रूप से मौजूद थे। अब एस्ट्रोनॉमी लैब में बच्चों को ब्रह्मांड के बारे में सवालों के जवाब मिल सकेंगे। बच्चे यह जान सकेंगे कि आसमान का रंग नीला क्यों है, तारे क्यों चमकते हैं, चांद और सूरज कहां छिप जाते हैं, रात के समय आसमान काला क्यों दिखाई देता है, गुरुत्वाकर्षण का क्या प्रभाव पड़ता है, कितने प्रकार के ग्रह होते है, चंद्रमा ऑर्बिट कैसे करता है इत्यादि की जानकारी इस लैब के जरिए मिल पाएगी।

टिमटिमाते तारे की नई-नई जानकारियां भी हासिल कर सकेंगे। इस एस्ट्रोनॉमी लैब में टेलीस्कोपिक की सुविधा भी मौजूद है। एस्ट्रोनॉमी लैब का प्रमुख उद्देश्य सभी छात्रों के अंदर अंतरिक्ष के व्यवहारिक ज्ञान के जरिए उत्सुकता जागृत करना, छोटी उम्र से ही सभी बच्चों में साइंटिफिक्र टेंपर विकसित करना, टेलिस्कोप के माध्यम से सौरमंडल के अन्य ग्रहों को पास से देखना और उनके चित्र को कैद करना, अंतरिक्ष व आकाश मंडल की गतिविधियों की जानकारी हासिल करना शामिल है।

महापौर ने कहा कि एस्ट्रोनॉमी लैब के खुलने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा काम हुआ है, अंतरिक्ष में कई पहलू है जिन्हें जानने का प्रयास इसके जरिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा तथा निगम आयुक्त रोहित व्यास के सतत प्रयासों से आत्मानंद स्कूल को एस्ट्रोशाला के रूप में तब्दील किया जा सका है। अंतरिक्ष की किताबी ज्ञान से हटकर प्रायोगिक ज्ञान की दिशा में ले जाने का अच्छा प्रयत्न है। एस्ट्रोनॉमी लैब खुलने से विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान बढने से प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होगी तथा विद्यार्थियों की रुचि विज्ञान में बढ़ेगी। विधायक देवेंद्र यादव ने आत्मानंद स्कूल में शिक्षा विकास को बढ़ावा देने के लिए इसे अच्छी पहल बताया। एस्ट्रोनॉमी लैब में कई प्रकार के वर्किंग मॉडल शामिल है, जिनके जरिए अंतरिक्ष के कई रहस्यमयी चीजों की जानकारी मिल पाएगी। एस्ट्रोनॉमी लैब विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धक के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

उल्लेखनीय है कि निगमायुक्त व्यास ने शिक्षा की दिशा में बढ़ोतरी हेतु कुछ अलग कार्य करने का काम किया है, एस्ट्रोनॉमी लैब को लेकर वे भिलाई में आते ही प्रयत्नशील थे, आज लैब प्रारंभ करवाकर आत्मानंद स्कूल को शिक्षा की ऊंचाइयों पर उन्होंने पहुंचाने का काम किया है।

बच्चों में इस अनोखे लैब को लेकर काफी उत्सुकता है। एस्ट्रोनॉमी लैब के माध्यम से स्पेस में कैसे जाया जाता है, मिसाइल का क्या काम होता है, स्पेस में जाने पर मानव शरीर के अंगो पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ता है, इन सभी का भी ज्ञान मिलेगा, लैब के अंदर प्रवेश करते ही अंतरिक्ष यात्रा की अनुभूति प्रतीत होता है, क्योंकि लैब में कई प्रकार के वर्किंग मॉडल उपलब्ध है। एस्ट्रोनॉमी लैब के शुभारंभ के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, जोन आयुक्त खिरोद्र भोई, सहायक संचालक शिक्षा अमित घोष, स्कूल की प्राचार्य दलजीत कोराडा, एस्ट्रोलैब डेवलपर अनुष्ठा दास वैष्णव, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, सहायक अभियंता वसीम खान, उप अभियंता श्वेता महेश्वर तथा स्कूल के स्टॉफ व छात्र, छात्राएं मौजूद रहे।

आत्मानंद इंग्लिश मीडियम के प्रत्येक स्कूलों में स्टार गैजिंग के माध्यम से देख सकेंगे खगोलीय घटनाओं को निगम आयुक्त रोहित व्यास ने कहा कि आत्मानंद सरकारी इंग्लिश मीडियम के सभी स्कूलों में खगोलीय घटनाओं के लिए स्टार गैजिंग के माध्यम से चांद, जुपिटर, मार्स, स्टार्स आदि के बारे में जानकारी देते हुए दिखाया जाएगा तथा इसके बारे में विस्तृत जानकारी भी प्रोजेक्टर के माध्यम से एक्सपर्ट के द्वारा बच्चों को प्रदान की जाएगी। जिसकी शुरुआत सेक्टर 6 के आत्मानंद स्कूल से हो चुकी है।

परम् पूज्य दीदी माँ मंदाकिनी श्रीरामकिंकर की रामकथा कल से

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर नेहरू नगर (पूर्व) भिलाई में अयोध्यावासी परम् पूज्य दीदी माँ मंदाकिनी श्रीरामकिंकर जी की श्रीरामकथा 6 से 8 जनवरी तक संध्या 5.30 से 7.30 बजे तक आयोजित है। इसी दिन संध्या 4.30 से 5.30 तक भजन संध्या होगी। बंगला नं. 20/2 नेहरू नगर (पश्चिम) आवास स्थल पर सुबह 9.30 से 11 बजे तक दैनिक प्रार्थना, भजन आरती एवं दर्शन आदि का कार्यक्रम होगा।

आयोजकगण दीपिका सोनी, विवान, शिवकुमार अन्नापूर्णा सोनी, अनीस, नीलम सोनी, संजीव सुमन सोनी एवं श्रीरामकिंकर शिष्य परिवार आदि ने इस्पात नगरी एवं समीपवर्ती क्षेत्र के मानसप्रमियों को अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति का आग्रह किया है।

वे 4 जनवरी को रायपुर एयरपोर्ट शाम 6 बजे पहुंचेगी और वहां से 7 बजे तक नेहरू नगर पश्चिम स्थित अपनी शिष्या मीरा गुप्ता के आवास स्थल पर पहुंचेगी। 5 जनवरी को ही संध्या 4 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी जो आवासीय स्थल से राधाकृष्ण मंदिर तक जाकर समाप्त होगी।

यंगिस्तान कप-2023 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कल से, दो चरणों में खेला जाएगा मैच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति भिलाई द्वारा 6 जनवरी से यंगिस्तान कप 2023 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट दो चरणों में खेला जायेगा, जिसमें प्रथम चरण में क्वालीफाइंग राउंड व द्वितीय चरण में मुख्य लीग का आयोजन होगा। आयोजन को लेकर समिति की ओर से सारी तैयारियां की जा चुकी हैं, प्रथम चरण में 15 जनवरी तक क्वालीफाइंग मैच का आयोजन खुर्सीपार, रिसाली एवं राधिका नगर में किया जाएगा। तत्पश्चात मुख्य लीग का आयोजन सेक्टर -1 क्रिकेट स्टेडियम में होगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन 6 जनवरी को प्रात: 10 बजे रिसाली, 11 बजे राधिका नगर व 12 बजे खुर्सीपार में किया जायेगा ।

समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय के मार्गदर्शन में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए गारगीशंकर मिश्रा ने बताया कि पूर्व में समिति द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा चुका है। आयोजन के माध्यम से समिति का मुख्य उद्देश्य इस्पात नगरी की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के प्रथम चरण में 6 जनवरी से 15 जनवरी तक तीन स्थानों में क्वालीफाइंग मैच का आयोजन होगा जिसके तहत श्रीराम चौक दशहरा मैदान, खुर्सीपार, दशहरा मैदान रिसाली एवं सुपेला थाने के पीछे राधिका नगर में मैच खेले जाएंगे। तत्पश्चात मुख्य लीग का आयोजन 17 जनवरी से सेक्टर -1 क्रिकेट स्टेडियम में किया जायेगा। टूर्नामेंट की विजेता टीम को 2 लाख व उपविजेता टीम को 1 लाख रूपए का पुरस्कार दिया जायेगा।

टूर्नामेंट के साथ आमजनों को किया जायेगा जागरूक

टूर्नामेंट के साथ ही आमजनों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया जायेगा। यह टूर्नामेंट क्रिकेट फॉर कॉस स्वस्थ भिलाई-स्वच्छ भिलाई के तहत आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत लोगों को समिति के संरक्षण में प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय द्वारा भिलाई नगर निगम क्षेत्र में चलाये गये 50 स्वच्छता सप्ताह से प्रेरणा लेकर भिलाई को एक बार फिर स्वच्छ शहर बनाने का आह्वान किया जायेगा।

शिक्षक नगर में बनेगी नई पानी टंकीः महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अतर्गत डाटा सेंटर में को महापौर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता में आयोजित मेयर इन काउंसिल की बैठक आयुक्त लोकेश चन्द्राकर और एमआईसी सदस्यों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में बैठक रखी गई।

बैठक में लोक कर्म विभाग प्रभारी अब्दुल गनी,वित्त विभाग प्रभारी दीपक साहू,राजस्व विभाग प्रभारी ऋषभ जैन,जल कार्य प्रभारी संजय कोहले,विद्युत विभाग प्रभारी भोला महोविया,सामान्य प्रशासन प्रभारी जयश्री जोशी,महिला बाल विकास प्रभारी सुश्री जमुना साहू,स्वास्थ्य विभाग प्रभारी हमीद खोखर,पर्यावरण विभाग प्रभारी सत्यवती वर्मा, सांस्कृतिक विभाग प्रभारी अनूप चंदानिया,गरीबी व उपश. विभाग प्रभारी शंकर ठाकुर,शिक्षा विभाग व खेल कूद विभाग प्रभारी मनदीप सिंह भाटिया की उपस्थिति में 20 बिंदुओं के एजेडों पर चर्चा किया गया है।शिक्षक नगर में नई पानी टंकी बनाई जाएगी।15 वे वित्त आयोग की अनुशंसा पर शासन को कार्य निष्पादन की अनुमति दिए जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। प्रस्ताव पारित:नगर निगम सीमा अंतर्गत लगभग 10,000 नल कनेक्शन शिफ्टिंग कार्य एमआईसी में मिली मंजूरी।गौरव पथ से जीई रोड मेनोनाईट चर्च तक मार्ग चौड़ीकरण उन्यन और विद्युतीकरण कार्य ,विभिन्न वार्डो में नाला निर्माण कार्य,शिक्षक नगर में 1 नग ओव्हरहेड टैंक का निर्माण कार्य, इसके बाद लगभग 30 किलों मीटर 100 मिली मीटर और 150 मिली मीटर व्यास की पाईप बिछाने का कार्य, चर्चा के बाद कई प्रस्तावों को स्वीकृत दी गई। जिसके बाद महापौर धीरज बाकलीवाल ने बैठक में शासन द्वारा चलाए जा रहे कार्य योजना का शत प्रतिशत पालन करने को कहा गया । वहीं बैठक में विकास कार्यो के प्रगति के साथ करने को कहा।नगर निगम 14 वे वित्त आयोग अंतर्गत गंजपारा चौक से शिव नाथ मुक्तिधाम मार्ग में ट्यूबलर पोल स्थापना और प्रकाश व्यवस्था लागत लगभग 55 लाख हेतु ,वार्ड कं0-16 सिकोला बस्ती के अंतर्गत 14वें वित्त आयोग से 80 फीट चौड़े घरसा रोड़ में नाली निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हैं। स्वीकृत राशि रू. 77.10 लाख हैं जिसमें से प्राक्कलन अनुसार प्रस्तावित नाली का निर्माण किया जा चुका हैं।

जिसकी व्यय राशि रू. 33.98 फ्लन हैं। स्वीकृत राशि के शेष राशि रू. 43.12 लाख से उसी नाली से संलग्न अन्य नालियों का उसी वार्ड में निर्माण कराया जाना हैं, जिसका प्राक्कलन राशि रू. 42.60 लाख का तैयार कर विभाग द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया हैं। सर्व सम्मति से स्वीकृत की गई।कार्यालय के कार्यादेश क्रमांक- 112 दिनांक 15 जुलाई .2022 के अनुसार ठेकेदार श्री राजेन्द्र कुमार वैष्णव, दुर्ग द्वारा वार्ड क्रमांक-09 भंगुराम देवांगन से चन्द्रकांत गजेन्द्र तक सीमेंट सडक निर्माण कार्य कराया जाना था। उक्त स्थल में सीमेंट सड़क निर्माण का स्थल परिवर्तन करने हेतु पार्षद के द्वारा पत्र दिया गया व स्थल परिवर्तन उपरांत कार्य माना बाई यादव के घर से चन्द्रकांत गजेन्द्र के घर तक रोड निर्माण किया जाना हैं।

दिव्य ज्योति नेत्रहीन आवासीय विद्यालय में मनाया गया ब्रेल लिपि के जनक लुईस ब्रेल का जन्मदिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लुईस ब्रेल फ्रांस के शिक्षाविद तथा अन्वेषक थे जिन्होंने अंधो के लिए लिखने तथा पढ़ने की प्रणाली विकसित की। यह पद्धति श्ब्रेलश् नाम से जगप्रसिद्ध है। फ्रांस मे जन्में लुईस ब्रेल अंधों के लिए ज्ञान के चक्षु बन गए।

ब्रेल लिपि के निर्माण से नेत्रहीनों की पढ़ने की कठिनाई को मिटाने वाले लुईस स्वयं भी नेत्रहीन थे।विभागीय मान्यता व अनुदानित स्वैच्छिक संस्था तुलसी लोक संस्थान द्वारा संचालित दिव्य ज्योति नि:शुल्क नेत्रहीन आवासीय विद्यालय भिलाई-3 जिला-दुर्ग में ब्रेल लिपि के जनक लुईस ब्रेल का जन्म दिवस 04 जनवरी 2023 को मनाया गया। संस्था में निवासरत आवासीय नेत्रहीन बच्चों के द्वारा लुईस ब्रेल के बारे में कविता, नाटक, भाषण आदि के माध्यम से वर्णन किया गया।

इस अवसर पर निर्मल कोसरे महापौर नगर पालिक निगम चरोदा-भिलाई, श्रीमती रत्ना नारमदेव एल्डरमेन नगर पालिक निगम दुर्ग, हेमंत वर्मा जी वार्ड पार्षद, न.पा. नि. चरोदा-भिलाई, कमलेश कुमार पटेल, उपसंचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग, जंतराम ठाकुर, विनय तिवारी, समाज कल्याण विभाग दुर्ग व संस्था के अध्यक्ष केशनाथ सिंह, सचिव श्रीमती सध्या द्विवेदी व गणमान्य नागरिक अतिथिगण और संस्था के कर्मचारीगण एवं नेत्रहीन विद्यार्थी तथा समाज कल्याण विभाग दुर्ग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

16 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा मनोरंजन स्थल आपके स्वागत के लिए तैनात रहेंगे बाज और हाथी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा कुम्हारी के हृदय स्थल पर स्थित बड़ा तालाब पहुंचे थे। 16 करोड़ के लागत से बड़ा तालाब को वहां के क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक मनोरंजन स्थल के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन शीघ्र ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया जाना है। कलेक्टर ने अपने निरीक्षण के दौरान उपस्थित संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति के संबंध में जानकारी ली और उन्हे शीघ्र बचे हुए कार्य को पूरा करने के निर्देश भी दिये।

उन्होंने बड़ा तालाब के प्रवेश द्वार के फ्रंट व्यू और बेहतर से बेहतर करने के लिए निर्देशित भी किया ताकि वहां से गुजरने वाले लोगों को बड़ा तालाब की सुंदरता का अंदाजा बाहर से ही हो जाये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फ्लावर बेड व प्लांटेशन पर विशेष रूप से जोर देने के लिए कहा ताकि आगंतुकों को लगे कि वो प्रकृति के समीप है। इसके अलावा उन्होंने बड़ा तालाब के परिधि के अंदर स्थित 08 फूड स्टाल का निरीक्षण भी किया। जहां उन्होंने फूड स्टाल का टेंडर ऐसे फूड चेन या दुकानदार को देने के लिए कहा, जो वैरायटी ऑफ फूड, टेस्ट और हाईजिनिक लेवल को मेंटेन कर सके। इसके साथ ही साथ उन्होंने लगने वाले प्लांटस व फुलवारी के मेंटेनेंस के लिए नियमित रूप से 7 से 10 माली लगवाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये ताकि पौधों और फूलों का मेंटेनेंस नियमित रूप से किया जा सके।

बुलेट टॉय ट्रेन दौड़ेगी फर्राटे के साथ

बड़ा तालाब मनोरंजन स्थल पर बुलेट टॉय ट्रेन रखी गई है जिसमें 48 लोगों की बैठक व्यवस्था है। बच्चों के लिए ये विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र रहेगा जिसमें वो म्यूजिकल फाउंटेन और अन्य मनोरंजक चीजों का आनंद लेते हुए मैग्नेटिक बुलेट ट्रेन का लुत्फ उठा पायेंगे। प्रवेश द्वार पर रहेगा एक बाज, दो हाथी व ग्रीन वाकिंग टनल, सी लिंक ब्रिज इत्यादि होंगे अन्य आकर्षण बड़ा तालाब के प्रवेश द्वार पर आगंतुकों के स्वागत के लिए एक बाज और दो हाथी प्रवेश द्वार पर स्थाई रूप से स्थापित रहेंगे। इसके साथ-साथ मनोरंजन स्थल के भीतर नागरिकों को तालाब के प्राकृतिक सौंदर्य के अलावा ग्रीन वाकिंग टनल, फाउंटेन, लेजर शो विथ विडियो प्रोजेक्शन, स्पाईक लाईट, फ्लावर बेड, बच्चों के लिए प्ले सेक्सन और बड़ा तालाब के परिधि स्थल के भीतर ठीक बीचों-बीच सी लिंक ब्रिज निर्मित है। जो कि बड़ा तालाब आने वाले सभी आगंतुकों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहेगा।

इसके अलावा कलेक्टर कुकदा तालाब के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे, जहां उन्होंने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को तालाब की सफाई मंदिरों की रंगाई और छायादार पेड़ लगाने के निर्देशित किया। इस अवसर पर एसडीएम बृजेश कुमार क्षत्रिय, सीएमओ जितेन्द्र कुशवाहा और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

चिरायु अतंर्गत जन्मजात हृदय रोग स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम व सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधिक्षक डॉ. योगेश कुमार शर्मा के सफल मार्गदर्शन मे एवं डॉ. दिव्या श्रीवास्तव नोडल अधिकारी आर.बी.एस.के, जिला प्रोग्राम मैनेजर पद्माकर शिंदे के नेतृत्व मे आज डी.ई.आई.सी जिला चिकित्सालय, दुर्ग में चिकित्सालय के स्पेशिलिस्ट चिकित्सक डॉ. समीत राज प्रसाद शिशु रोग विशेषज्ञ, एस.एम.सी हार्ट इंस्टीटयुट के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय चौरसिया एंव डॉ. गौरव जैन के सहयोग से चिरायु का जन्मजात हृदय रोग स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित 34 बच्चों का जॉच किया गया, जिसमे से सर्जरी हेतु 3 बच्चों को चिन्हांकित किया गया। 1 वर्ष बाद 16 बच्चों को पुन: जॉच किया जाना है, 15 बच्चों का ईको जॉच नार्मल पाया गया।

इसके अलावा अन्य बिमारी के 9 बच्चे का पंजीयन हुआ। जिसमे 3 बच्चों को नेत्र संबधी समस्या थी जिन्हे चश्मा हेतु पंजीकृत किया गया,1 जन्मजात बधिरता के बच्चे का ई.एन.टी विभाग के विशेषज्ञ डॉ. रिनु तिवारी द्वारा आगे उपचार हेतु परामर्श एंव ट्रॉमेटिक मोतियाबिंद का 1 बच्चा मिला जिसका जिला चिकित्सालय के नेत्र विभाग के नेत्र विशेषज्ञ द्वारा उपचार हेतु परामर्श तथा 4 अन्य बिमारी के बच्चो को शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा परामर्श एंव उपचार हेतु पंजीकृत किया गया।

अप्रैल 2022 से अब तक 69 बच्चो का चिरायु योजना के अंर्तगत डी.ई.आई.सी मे पंजीकृत आयुष्मान भारत योजना के तहत जिसमे 5 बच्चे का कॉकलियर इंप्लांट हुआ है जिनका निरंतर स्पीच थैरेपी डी.ई.आई.सी मे दिया जा रहा है ताकि वह बच्चे अन्य सामान्य बच्चों की तरह सुन पायेंगे व सामान्य जिन्दगी जी पायेंगे। 35 बच्चे का जन्मजात हृदय रोग की जटील सर्जरी कराई गयी। जिला चिकित्सालय दुर्ग मे नेत्र विभाग के नेत्र सर्जन डॉ. कल्पना जेप द्वारा 8 बच्चों का जन्मजात मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया, 11 बच्चों का कटे-फ्टे होठ एंव तालु का, 10 बच्चों की हर्निया एंव युरोजनाईटल की सर्जरी नि:शुल्क कराई गई है। 69 बच्चे जिनको जन्मजात विकृती थी, वे चिरायु की मदद से अब सामान्य जिन्दगी जी सकेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950